लखनऊ, शुक्रवार, 21 अप्रैल 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 58 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में शरद पवार से मिलने पहुंचे गौतम अदाणी

(एजेंसी) मुंबई। उद्योगपति गौतम अदाणी गुरुवार सुबह यहां दक्षिण मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर उनसे मिलने पहुंचे। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। दोनों के बीच लगभग दो घंटे तक एक निजी बैठक हुई, हालांकि जो हुआ वह ज्ञात नहीं है, लेकिन राजनीतिक और व्यावसायिक हलकों में भारी अटकलें लगाई जा रही हैं। यह बैठक हिंडनबर्ग रिसर्च के विनाशकारी खुलासे के बाद अदाणी समूह के मामलों की संयुक्त संसदीय समिति की जांच का विरोध करने वाले पवार के हालिया बयानों के मद्देनजर हुई है। बाद में, राष्ट्रीय विपक्ष में हंगामे के बाद, पवार जाहिर तौर पर पीछे हट गए, कूटनीतिक रूप से यह कहते हुए कि अगर अन्य पार्टियां चाहती हैं तो वह जेपीसी का विरोध नहीं करेंगे। अपने जनवरी के खुलासे में, हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह की फर्मों द्वारा बड़े पैमाने पर स्टॉक हेरफेर और लेखा धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिसने अदाणी की वैश्विक रैंकिंग को दुनिया के दूसरे सबसे अमीर होने से बमुश्किल चार महीनों में नीचे गिरा दिया।

देवेगौड़ा परिवार का हासन में अपने उम्मीदवार के लिए शक्ति प्रदर्शन

(एजेंसी) हासन। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के परिवार ने हासन विधानसभा सीट से जेडीएस उम्मीदवार स्वरूप प्रकाश को टिकट दिया है। गुरुवार को स्वरूप अपना नामांकन दाखिल करने आये और इस दौरान पूरे देवेगौड़ा परिवार अपना शक्ति प्रदर्शन किया। जद (एस) के गढ़ माने जाने वाले हासन निर्वाचन क्षेत्र फिलहाल भाजपा के पास है। देवेगौड़ा परिवार के लिए सीट वापस जीतना प्रतिष्ठा की बात है क्योंकि पूर्व पीएम हासन से ही हैं। पिछली बार जीते बीजेपी के प्रीतम गौड़ा ने देवेगौड़ा परिवार को यहां से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। देवेगौड़ा की बहू भवानी रेवन्ना यहां से चुनाव लड़ना चाहती थी। लेकिन प्रीतम गौड़ा और भवानी रेवन्ना के परिवार वालों ने एक दूसरे के खिलाफ जहर उगला और फिर स्वरूप प्रकाश को टिकट दे दिया गया। बीजेपी के प्रीतम गौड़ा ने अपने नामांकन दाखिल करने के दिन एक विशाल रैली निकाली थी और हासन की सड़कों को भगवा समुद्र में बदल दिया था। रैली में इतनी बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने सभी को हैरत में डाल दिया। जद (एस) अब इससे भी बड़ी रैली कर भाजपा को करारा जवाब देना चाहती है। देवेगौड़ा परिवार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है।

हम राहुल गांधी के मामले में सभी कानूनी विकल्पों का उपयोग जारी रखेंगे : कांग्रेस

(एजेंसी) नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गुजरात की एक सत्र अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का उपयोग जारी रखेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, कानून के तहत जो भी विकल्प हमारे लिए उपलब्ध होंगे, हम उन सभी विकल्पों का लाभ उठाना जारी रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अभिषेक मनु सिंघवी आज शाम चार बजे राहुल गांधी की अपील पर मीडिया को जानकारी देंगे। गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत ने 'मोदी उपनामश् वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी।

बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग है, निरंतरता का मार्ग है : मोदी

अगर बुद्ध के दिखाए रास्ते पर चलते, तो नहीं आता क्लाइमेट चेंज संकट

(एजेंसी)

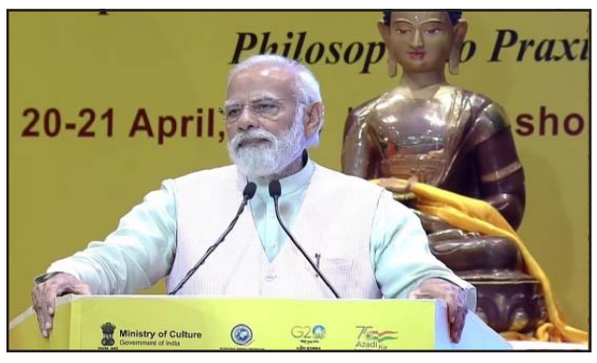

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षाओं को 'मानवता का विश्वास बताते हुए कहा कि दुनिया को आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद एवं मजहबी उन्माद तथा जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों से बचाने के लिए बुद्ध के मार्ग पर चलना होगा। पीएम मोदी ने यहां शुरू हुए दो दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग है, निरंतरता का मार्ग है। अगर विश्व, बुद्ध की सीखों पर चला होता, तो जलवायु परिवर्तन जैसा संकट भी हमारे सामने नहीं आता। ये संकट इसलिए आया क्योंकि पिछली शताब्दी में कुछ देशों ने दूसरों के बारे में, आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचना ही बंद कर दिया। दशकों तक वो ये सोचते रहे कि प्रकृति से इस छेड़छाड़ का प्रभाव उनके ऊपर नहीं आएगा। वो देश इसे दूसरों के ऊपर ही डालते रहे। लेकिन भगवान बुद्ध ने धम्मपद में स्पष्ट रूप से कहा है कि जैसे बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है, वैसे ही लगातार की हुई गलतियां विनाश का कारण बन जाती हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी, संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संस्कृति एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव, देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षु शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज का ये समय इस सदी का सबसे चुनौतीपूर्ण समय है। आज एक ओर, महीनों से दो देशों में युद्ध चल रहा है, तो वहीं दुनिया आर्थिक अस्थिरता से भी गुजर रही है।

आतंकवाद और मजहबी उन्माद जैसे खतरे मानवता की आत्मा पर प्रहार कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौती पूरी मानवता के अस्तित्व पर आफ्त बनकर मंडरा रही है। ग्लेशियर्स पिघल रहे हैं, पारिस्थितिकीय तंत्र नष्ट हो रही है, प्रजातियां विलुप्त हो रहीं हैं। लेकिन इस सबके बीच, हमारे आप जैसे करोड़ों लोग भी हैं जिन्हें बुद्ध में आस्था है, जीव मात्र के कल्याण में विश्वास है। ये उम्मीद, ये विश्वास ही इस धरती की सबसे बड़ी ताकत है।

जब ये उम्मीद एकजुट होगी, तो बुद्ध का धम्म विश्व की धारणा बन जाएगा, बुद्ध का बोध मानवता का विश्वास बन जाएगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बुद्ध की इस धरती की परंपरा है-'अतिथि देवो भवरूश्! अर्थात, अतिथि हमारे लिए देवता के समान होते हैं। लेकिन, भगवान बुद्ध के विचारों को जीने वाले इतने व्यक्तित्व जब हमारे सामने हों, तो साक्षात् बुद्ध की उपस्थिति का अहसास होता है।

क्योंकि, बुद्ध व्यक्ति से आगे बढकर एक बोध हैं। बुद्ध स्वरूप से आगे बढकर एक सोच हैं। बुद्ध चित्रण से आगे बढकर एक चेतना है और बुद्ध की ये चेतना चिरंतर है, निरंतर है। ये सोच शाश्वत है। ये बोध अविस्मरणीय है।

भारत की सबसे अधिक आबादी पर अखिलेश यादव ने जताई चिंता

कहा, इसका कारण सरकार की विफलता

(संवाददाता)

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दुनिया में भारत की सबसे अधिक आबादी होने पर चिंता जताई है। उन्होंने देश की सबसे अधिक आबादी होने को सरकार की विफलता करार दिया है। इस संबंध में उन्होंने ट्विटर पर ट्वीट कर अपनी चिंता जाहिर की है। बता दें कि, भारत ने आबादी के मामले में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक भारत अब दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला बन गया है। भारत की आबादी 142.86 करोड़ पहुंच गई है जबकि चीन की जनसंख्या 142.57 करोड़ है। भारत की आबादी अब 29 लाख ज्यादा हो गई है। यह पहली बार है कि भारत की जनसंख्या 1950 के बाद से चीन से आगे निकल गई है।

यूएनएफपीए की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट 2023, जिसे 8 बिलियन लाइव्स, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज द केस फॉर राइट्स एंड चॉइस के टाइटल से जारी किया गया है, उसमें कहा गया है कि अब भारत की जनसंख्या 1,428.6 मिलियन है, जबकि चीन की जनसंख्या 1,425.7 मिलियन है। यानी दोनों की जनसंख्या में 2.9 मिलियन का अंतर हो गया है। रिपोर्ट में ताजा आंकड़े डेमोग्राफिक इंडिकेटर्स की कैटेगरी में दिए गए हैं। अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को अपने ट्वीट में इसे चिंतनीय खबर बताते हुए कहा कि इसका कारण सरकार की विफलता है। अखिलेश ने इसी ट्वीट में विवरण देते हुए कहा, गरीबी-बेरोजगारी के कारण काम में हाथ बंटाने एवं कमाने के लिए (अधिक लोग) तथा चिकित्सा की कमी से बाल मृत्यु के डर से अधिक बच्चे पैदा करना तथा गर्भनिरोधक का वितरण न होना। इसके अलावा सपा प्रमुख ने शिशक्षा की कमी से जनसंख्या के दबाव को न समझना भी इसमें शामिल किया है।

यूपी पुलिस ने जारी की 10 मोस्ट वांटेड क्रिमिनल की लिस्ट, जोन के आधार पर चिन्हित किए माफियाओं के नाम

(संवाददाता)

लखनऊ । विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रदेश में माफिया के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच सियासी तकरार देखने को मिली थी। इस दौरान सीएम योगी ने यहां तक कह दिया था कि, माफियाओं को मिट्टी में मिला देंगे तो वहीं अखिलेश ने माफियाओं की लिस्ट जारी करने की मांग की थी। बता दें कि, आखिरकार यूपी पुलिस ने ऐसी लिस्ट जारी की जो मोस्ट वांटेड अपराधी की हैं। अल्पसंख्यक हों या बहुसंख्यक, पिछड़ी जाति के हो या अगड़ी, अपराधों के प्रति योगी सरकार सख्ती से निपट रही है। इसका सटीक उदाहरण यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड क्रिमिनल लिस्ट है, जिसमें उन लोगों को शामिल किया गया है जिन्होंने गंभीर अपराध किए हैं। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफकी हत्या के बाद विपक्षी नेता योगी सरकार पर अल्पसंख्यक विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं, ऐसे नेताओं के लिए यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड की लिस्ट बड़ा सबक है। जिन माफियाओं को प्रदेश में सूचीबद्ध किया वो जोन के आधार पर चिन्हित किए गए है, जिसमें मेरठ जोन में उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बारखा, विक्रांत उर्फ विक्की, हाजी इकबाल उर्फ बाला, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा व विनय त्यागी उर्फ टिंकू। आगरा जोन के अनिल चौधरी व ऋषि कुमार शर्मा, बरेली जोन के एजाज, कानपुर जोन के अनुपम दुबे। लखनऊ जोन के खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंघाला, अतुल वर्मा, मु.सहीम उर्फ कासिम प्रयागराज जोन के डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह। वहीं, वाराणसी जोन के मुख्तार अंसारी, त्रिभुवन सिंह उर्फ पवन सिंह, विजय मिश्रा, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह, अखंड प्रताप सिंह, रमेश सिंह उर्फ काका। गोरखपुर जोन के संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार उपाध्याय, राजन तिवारी, रिजवान जहीर, देवेन्द्र सिंह, तो वहीं गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट से सुंदर भाटी, सिंहराज भाटी, अमित कसाना, अनिल भाटी, रणदीप भाटी, मनोज उर्फ आसे, अनिल दुजाना। कानपुर कमिश्नरेट से सऊद अख्तर, कमिश्नरेट लखनऊ के लल्लू यादव, बच्चू यादव व जुगनू वालिया उर्फ हरिवंदर सिंह। प्रयागराज कमिश्नरेट से बच्चा पासी उर्फ निहाल पासी, दिलीप मिश्रा, जावेद उर्फ पप्पू, राजेश यादव, गणेश यादव, कमरुल हसन, जाविर हुसैन व मुजफ्फर, तो वहीं वाराणसी कमिश्नरेट से अभिषेक सिंह हनी उर्फ जहर, बृजेश कुमार सिंह व सुभाष सिंह ठाकुर का नाम लिस्ट में शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड मुहैया कराने के लिए तीन महीने का समय और दिया

(एजेंसी)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सरकारी पोर्टल ई-श्रम पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए तीन महीने का और समय दिया। न्यायमूर्ति एम.आर. शाह और न्यायमूर्ति एहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देने के लिए व्यापक प्रचार किया जाए ताकि वे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत लाभ उठा सकें। शीर्ष अदालत का आदेश याचिकाकर्ताओं अंजलि भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोक्कर द्वारा दायर एक आवेदन पर आया है, जिन्होंने मांग की थी कि एनएफएसए के तहत राशन कोटे से अलग प्रवासी मजदूरों को राशन दिया जाए। शीर्ष अदालत ने 17 अप्रैल को कहा था कि केंद्र और राज्य सरकारें केवल इस आधार पर प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड देने से इनकार नहीं कर सकतीं कि एनएफएसए के तहत जनसंख्या अनुपात सही तरीके से बरकरार नहीं रखा गया है। अदालत ने कहा था कि प्रत्येक नागरिक को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा था कि कल्याणकारी राज्य में लोगों तक पहुंचना सरकार का कर्तव्य है। अदालत ने कहा, हम यह नहीं कह रहे हैं कि सरकार अपना कर्तव्य निभाने में विफल रही है या कोई लापरवाही हुई है। फिर भी, यह मानते हुए कि कुछ लोग छूट गए हैं, केंद्र और राज्य सरकारों को यह देखना चाहिए कि उन्हें राशन कार्ड मिले। शीर्ष अदालत ने कहा था, केंद्र या कोई राज्य सरकार केवल इस आधार पर राशन कार्ड देने से इनकार नहीं कर सकती है कि एनएफएसए के तहत जनसंख्या अनुपात ठीक से बनाए नहीं रखा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जरूरतमंदों तक पहुंचना सरकार का काम है और कभी-कभी कल्याणकारी राज्य में कुएं को प्यासे के पास जाना चाहिए। केंद्र ने कहा है कि 28.86 करोड श्रमिकों ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों जैसे निर्माण श्रमिकों, प्रवासी मजदूरों, सडक विक्रेताओं और घरेलू सहायकों के लिए बने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। केंद्र ने कहा, 24 राज्यों और उनके श्रम विभागों के बीच डेटा साझा किया जा रहा है। प्रारंभिक डेटा एकत्र किया गया है। लगभग 20 करोड लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभार्थी हैं, जो पोर्टल पर पंजीकृत हैं। एनएफएसए केंद्र और राज्यों का एक संयुक्त प्रयास है। भारद्वाज, मंदर और छोकर- तीन कार्यकर्ताओं की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने राशन कार्ड का मुद्दा उठाया और कहा कि पोर्टल पर पंजीकृत होने के बावजूद अधिकतर श्रमिक राशन से वंचित हैं क्योंकि उनके पास राशन कार्ड नहीं हैं।

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने झोंकी पूरी ताकत, पीएम मोदी करेंगे ताबड़तोड़ 20 रैलियां

(एजेंसी)

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने वीरवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य में करीब 20 स्थानों पर चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रचार कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री के करीब 20 स्थानों पर चुनाव प्रचार करने की पूरी संभावना है।मुख्यमंत्री ने कहा, इनमें से अधिकतर स्थानों पर वह रैली को संबोधित करेंगे और कुछ में रोड शो होंगे। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा और नतीजे 13 मई को घोषित किए जाएंगे। मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्रियों की एक मजबूत टीम चुनाव के लिए पार्टी के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। पार्टी द्वारा जारी नेताओं की सूची के अनुसार केंद्रीय मंत्रियों में राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मंडाविया और प्रह्लाद जोशी शामिल हैं। आदित्यनाथ के अलावा मध्य प्रदेश और असम के मुख्यमंत्री क्रमश: शिवराज सिंह चौहान और हिमंत विश्व शर्मा तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है। बोम्मई, कर्नाटक भाजपा के कद्दावर नेता बी एस येदियुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री डी वी सदानंद गौड़ा, कर्नाटक के कुछ मंत्री और राज्य पार्टी के नेता भी सूची में शामिल हैं।

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को राहत नहीं, सजा रद्द करने की याचिका खारिज

(एजेंसी)

सूरत। सूरत की सत्र अदालत ने मोदी सरनेम मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। राहुल गांधी ने दो साल की सजा पर रोक लगाने की अपील की थी। अदालत ने अप्रैल 2019 में कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली में की गई टिप्पणी के लिए 23 मार्च को राहुल गांधी को दोषी ठहराया था, जहां उन्होंने कहा था कि मोदी उपनाम वाले सभी लोग चोर हैं। अदालत ने उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई, और उन्हें अगले दिन लोकसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया। गांधी के वकीलों ने दो आवेदन दायर किए थे, एक मामले के निस्तारण तक जमानत के लिए और दूसरा अपील पर फैसला होने तक सजा को निलंबित करने के लिए। गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एस. चीमा ने तर्क दिया कि केवल एक पीड़ित व्यक्ति ही कानून के अनुसार मानहानि की शिकायत कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भाषण तब तक मानहानि नहीं हो सकता जब तक कि इसे संदर्भ से बाहर न किया जाए। मानहानि का मामला भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने दायर किया था, जिन्होंने दावा किया था कि गांधी के बयान ने मोदी उपनाम वाले सभी लोगों को बदनाम किया है। अदालत ने गांधी को आईपीसी की धारा 499 (मानहानि) और 500 (मानहानि की सजा) के तहत दोषी पाया था। राहुल गांधी ने दावा किया था कि एक सांसद के रूप में उनकी स्थिति के कारण ट्रायल कोर्ट ने उनके साथ कठोर व्यवहार किया है। चीमा ने सूरत की अदालत के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया, यह कहते हुए कि भाषण कोलार में दिया गया था। अदालत ने राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया। इसका मतलब है कि उन्हें संसद सदस्य के रूप में बहाल नहीं किया जा सकता। अदालत ने कानून के तहत स्वीकार्य अधिकतम सजा भी लागू की।

राजनाथ सिंह भी हुए कोरोना पॉजीटिव, कोरोना ने तोड़े इस साल के सारे रिकॉर्ड

(एजेंसी) नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। अधिकारियों ने वीरवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिंह फिलहाल घर में पृथकवास में हैं और उनमें संक्रमण के हल्के लक्षण दिखाई दिए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चिकित्सकों की एक टीम ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को दिल्ली में भारतीय वायुसेना के कमांडरों के सम्मेलन में शरीक होने वाले थे, लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण ऐसा नहीं कर पाएंगे। बता दें कि कोरोना वायरस के मामले देश में लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं और आज इस मामले में नया रिकॉर्ड भी बन गया है।

कोर्ट का फैसला गांधी परिवार की हेकड़ी पर तमाचा, संबित पात्रा बोले, कानून सबके लिए बराबर है

(एजेंसी)

नई दिल्ली। मोदी उपनाम वाले बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने राहुल गांधी को मिली दो साल की सजा के खिलाफ याचिका को खारिज कर दिया है। इस मामले पर अब बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि सूरत कोर्ट का फैसला ''गांधी परिवार के अहंकार पर तमाचा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''अदालत का फैसला गांधी परिवार, खासकर राहुल गांधी के अहंकार पर तमाचा है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अदालत का फैसला यह भी साबित करता है कि कानून सभी के लिए बराबर है और वह किसी भी प्रकार के दवाब के आगे झुकता नहीं है। पात्रा ने कहा, ''आज के फैसले से एक बात स्पष्ट है कि इस देश में संविधान का राज है, परिवार का राज नहीं है। और किसी भी परिवार के लिए अलग कानून नहीं हो सकता। पात्रा ने कहा कि कोर्ट के इस फैसले से पूरे देश में खासकर पिछड़े वर्ग में काफी उत्साह है। राहुल यह मान रहे थे कि वो इस समाज को गाली देकर भी बचकर निकल जाएंगे, लेकिन यह उनकी गलतफहमी थी। राहुल गांधी अब आने वाले समय के लिए पार्लियामेंट से डिसक्वालिफाई ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले से गांधी परिवार का सारा घमंड चकनाचूर हो गया। पात्रा ने कहा, ''राहुल जी अभी भी मौका है अहंकार को छोड़िए, देश के सामने ओबीसी समाज से क्षमा याचना कीजिए कि जो मैंने किया, गलत किया, मुझे यह नहीं करना चाहिए था। पात्रा ने आरोप लगाया कि पिछले महीने इस मामले में गांधी को दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस अपने पारिस्थितिकी तंत्र को एकजुट कर रही थी ताकि ''न्यायपालिका के खिलाफआंदोलन चले और यहां तक कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ बयान जारी कराए गए। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, ''कांग्रेस के पारिस्थितिकी तंत्र ने ऐसा माहौल बनाया कि निचली अदालत के फैसले में गांधी के खिलाफपक्षपात किया गया। राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए पात्रा ने कहा, ''न्यायपालिका ने आज कहा कि आप चाहे कितनी भी दबाव की राजनीति करें, हम झुकेंगे नहीं। उन्होंने कहा, ''आज दो लोगों की हार हुई हैं।

CMYK

संपादकीय

कोरोना को हल्के में ना ले

समूची दुनिया में यह माना जा चुका है कि कोरोना से बचाव के लिए कोरोना प्रोटोकाल की पालना एक कारगर माध्यम है। आज हम मास्क पहनना भूल गए हैं तो सैनेटाइजर का उपयोग भी लगभग बंद ही हो गया है। इसी तरह से दो गज की दूरी की बात भी इन दिनों तो बेमानी हो चुकी है। कोरोना की दहशत ने एक बार फिर कोरोना प्रोटोकाल की पालना के प्रति गंभीर होने के लिए चेता दिया है। ऐसे में कोरोना प्रोटोकाल को लागू करने या लोगों को पालना के प्रति सचेत करने का समय आ गया है। यह इसलिए भी जरूरी हो गया है कि देश में कोरोना प्रोटोकाल की पालना लगभग नहीं की स्थिति में पहुंच गई है तो लोगों की गंभीरता भी नहीं रही है। देश में एक तरफजहां दिन प्रतिदिन कोरोना के मामलों में उछाल आता जा रहा हैं वहीं कोरोना प्रोटोकाल की पालना करीब करीब समाप्त हो चुकी है। पिछले दिनों में औसतन प्रतिदिन देश में पांच हजार से अधिक कोरोना पोजिटिव मरीज आ रहे हैं और कोरोना के कारण भले ही कम हो, पर मौत के मामले भी आने लगे हैं। एक सप्ताह में ही कोरोना के कारण 68 मौत के समाचार हैं। हालांकि केन्द्र व राज्य सरकारें सजग तो होने लगी हैं व 10 और 11 अप्रैल को समूचे देश में दो दिन की मॉक ड्रिल कर कोरोना से निपटने की तैयारियों या यों कहें कि दवाओं व संसाधनों की उपलब्धता को जांचा परखा जा सके। पर जिस तरह से देश के पांच राज्यों में कोरोना मामलों की बढ़ोतरी ने चिंता में डाल दिया है उसे देखते हुए सतर्कता और सजगता जरूरी हो गयी है। लगभग समूची दुनिया में यह माना जा चुका है कि कोरोना से बचाव के लिए कोरोना प्रोटोकाल की पालना एक कारगर माध्यम है। आज हम मास्क पहनना भूल गए हैं तो सैनेटाइजर का उपयोग भी लगभग बंद ही हो गया है। इसी तरह से दो गज की दूरी की बात भी इन दिनों तो बेमानी हो चुकी है। मास्क के उपयोग को लेकर पिछले दिनों लोकल सर्कल द्वारा कराए गए सर्वे ने तो चिंता में ही डाल दिया है। सर्वे में सामने आया है कि केवल और केवल 6 प्रतिशत लोग ही मास्क के प्रति थोड़े गंभीर दिख रहे हैं। यानी की 6 प्रतिशत लोग ही मास्क का उपयोग कर रहे हैं। हालात तो यह हैं कि कोरोना तो दूर वायरस जनित बीमारियों के फैलाव के बावजूद देश के किसी भी क्षेत्र के किसी भी अस्पताल में चल जाएं कोई इक्के दुक्के लोग ही मास्क लगाए हुए दिखाई देते हैं। यह तो अस्पतालों के हालात हैं जहां बीमार या उनके तीमारदार ही जाते हैं। ऐसे में यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। बाजार, सार्वजनिक परिवहन साधनों, मॉल्स, सिनेमागृहों, राजनीतिक रैलियों, धार्मिक स्थलों आदि पर खोजने से भी मास्क लगाए कोई लोग नहीं दिखते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के आना चिंता का सबब बन ही जाता है। खासतौर से केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और तमिलनाडु में जिस तरह से कोरोना संक्रमण का अधिक फैलाव देखा जा रहा है यह चिंतनीय है। दरअसल कोरोना काल के अनुभव आज भी रूह कंपा देने के लिए काफी है। लंबा लॉकडाउन, सब कुछ बंद, प्रवासी श्रमिकों की हाईवे पर रेला, वेंटिलेटरों और ऑक्सिजन बेड की तलाश में भटकते लोगों और कोरोना संक्रमण से मौत के ग्रास बनते लोगों के चित्र आंखों के समाने घूमने लगते हैं तो सिहर जाते हैं। दवाओं की कमी, दवाओं की अनुपलब्धता और ऑक्सीजन की कमी को भूले नहीं हैं। ऐसे में कोरोना काल के अनुभवों को देखते हुए इन दिनों बढ़ते कोरोना संक्रमण को हल्के से लेने की भूल नहीं करनी होगी। सरकार को जनहित में जहां जागरूकता अभियान तो चला ही देना ही चाहिए वहीं सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने की अनिवार्यता सख्ती से लागू करने की पहल कर देनी चाहिए। खासतौर से चिकित्सालयों में तो सख्ती से पालना होनी ही चाहिए। इसी तरह से सार्वजनिक स्थानों पर सैनेटाइजर के डिस्पेंसर लगा दिए जाएं तो सरकार के लिए यह कोई महंगा सौदा नहीं होगा। सरकार ही क्यों स्वयं सेवी संस्थाओं और दानदाताओं को भी आगे आकर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत करने का समय आ गया है। केवल सरकार के भरोसे नहीं रहकर सभी सजग लोगों और संस्थाओं को आगे आना चाहिए। यह नहीं भूलना चाहिए कि इन साधनों के उपयोग पर होने वाले खर्च से कई गुणा नुकसान हम लोग व सरकार लॉकडाउन और अन्य कार्यों पर भुगतते रही हैं।

कट्टर ईमानदार नेताओं की कलई खुलने से जनता के विश्वास को बड़ा धक्का पहुँचा है

केजरीवाल ने कहा था कि हम कट्टर ईमानदारी का परिचय देंगे लेकिन आम आदमी पार्टी ने झाड़ू को किनारे रख कर भ्रष्टाचार रूपी गंदगी को फैलाना शुरू कर दिया। केजरीवाल की सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में जेल गये। जन लोकपाल के लिए हुए आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी से देश को बड़ी उम्मीदें थीं इसलिए देश की राजनीति को बदलने का वादा करने वाले अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने पहले चुनावी मुकाबले में ही सत्ता तक पहुँचा दिया। लेकिन सत्ता मिलते ही केजरीवाल राजनीति को बदलने का उद्देश्य भूल गये और खुद को ही बदल डाला। अन्ना हजारे ने जिस लोकपाल की बात कही थी वह लोकपाल नहीं बनाया, केजरीवाल ने कहा था कि सरकारी सुरक्षा, सरकारी बंगला और गाड़ी नहीं लूंगा लेकिन वह सब भी लिया। केजरीवाल ने कहा था कि हम कट्टर ईमानदारी का परिचय देंगे लेकिन आम आदमी पार्टी ने झाड़ू को किनारे रख कर भ्रष्टाचार रूपी गंदगी को फैलाना शुरू कर दिया। केजरीवाल की सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में जेल गये, स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद हुए लगभग साल भर होने वाला है। इससे पहले केजरीवाल की सरकार में मंत्री रहे संदीप कुमार का सेक्स स्कैंडल सामने आने पर उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उससे पहले केजरीवाल सरकार में गृह मंत्री रहे जितेंद्र तोमर को फर्जी डिग्री विवाद में मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके अलावा केजरीवाल की सरकार में खाद्य और आपूर्ति मंत्री रहे असीम अहमद खान को रिश्वत मामला सामने आने पर मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। हाल ही में केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम को भी हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ विवादित बयान के चलते मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। अब खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। इस प्रकार यह आम आदमी पार्टी के सिर्फ दिल्ली के कट्टर ईमानदार नेताओं की एक छोटी-सी तस्वीर है। राष्ट्रीय स्तर पर यह तस्वीर और व्यापक है। चूंकि आम आदमी पार्टी के नेता आजकल अपनी शैक्षिक योग्यता बता रहे हैं इसलिए उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह कैसी पढ़ाई लिखाई है कि अरविंद केजरीवाल अर्थव्यवस्था के हालात सुधारने के लिए नोटों पर भगवान की तस्वीर छापने की सलाह देते हैं। यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि केजरीवाल घोटालों के आरोपों का सामना कर रहे लालू यादव से हाथ मिलाते हैं और उनके बेटे तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन पर बात करते हैं? यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि केजरीवाल आज उन नेताओं का समर्थन मिलने से गद्गद् होते हैं जिन पर कभी वह महाभ्रष्टाचारी होने के आरोप लगाया करते थे? यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि हर चुनाव के समय आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर टिकट बेचने के आरोप उनके अपने ही कार्यकर्ता लगाते हैं? साथ ही यह कैसी समाजसेवा है कि राजनीति में प्रवेश के समय आप शराब की दुकानों पर प्रतिबंध की बात करते हैं और सत्ता मिलते ही गली गली में शराब की दुकानें खुलवा देते हैं और दारू की एक बोतल पर दूसरी बोतल फ्री देने लगते हैं केजरीवाल और उन जैसे तमाम नेता जो केंद्र सरकार पर सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हैं उन्हें समझना चाहिए कि कोई भी एजेंसी सजा तो देती नहीं है। एजेंसी पूछताछ के दौरान हासिल किये गये तथ्यों से न्यायालय को अवगत करायेगी और यदि न्यायालय संतुष्ट हुआ तभी आगे की विधिक कार्रवाई होगी। इसलिए अनर्गल आरोप-प्रत्यरोप से बचना चाहिए और एजेंसियों के साथ सहयोग करना चाहिए। बहरहाल, खुद को कट्टर ईमानदार बताने वाले नेताओं की कलई खुलने से जनता के विश्वास को बड़ा धक्का पहुँचा है क्योंकि जनता ने जिन्हें तन मन धन से समर्थन देकर सत्ता में बैठाया, उन्होंने शायद जनता के विश्वास की लाज नहीं रखी।

अतीक अशरफ लाईव मर्डर पर सवाल दर सवाल

प्रेम शर्मा

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री का सजग रहना तो ठीक ही है। लेकिन कुख्यात अपराधी अतीक और अशरफके लाईव मर्डर से एक सनसनी फैलने के साथ कई सवाल खड़े हो गए है। आम जनमानस ही नही इस लाईव मर्डर पर यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट में भी जबाब देना होगा। लोगों ने हमेशा शूटआउट को सुना था, लेकिन देखा नहीं था। किंतु, 50 दिन के भीतर देश के लोगों ने दो बार लाइव शूटआउट देखा। सब कुछ वहीं। फर्क था तो सिर्फ स्थान का। पहली घटना की तरह ही इसमें भी यह तय था कि जिंदा नहीं छोड़ना है। 24 फरवरी की शाम करीब पांच बजे। सुलेमसराय के रहने वाले अधिवक्ता व विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल कचहरी से कार में सवार होकर अपने घर पहुंचते हैं। कार में उनके साथ चालक और दो सुरक्षाकर्मी रहते हैं। जैसे ही एक सुरक्षाकर्मी और उमेश पाल कार से उतरते हैं, अतीक अहमद का पुत्र असद अहमद समेत कई लोग गोली और बम से हमला बोल देते हैं।दौड़ा-दौड़ाकर गोली और बम मारा जाता है। घर में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी जाती है। घर के बाहर बनी गली से भागते हुए सुरक्षाकर्मी को पीछे से बम से उड़ा दिया जाता है। वहीं, कार में बैठे दूसरे सुरक्षाकर्मी को बाहर निकलने तक का मौका नहीं दिया जाता है। कार में ही गोली मारकर उसे छलनी कर दिया जाता है। सीसीटीवी से निकले फुटेज को जिले ही नहीं देश के लोगों ने देखा तो दहल गए। पहली बार शायद इस तरह का लाइव शूटआउट लोगों ने देखा था। राजनीतिक गलियारे में भी इस लाइव शूटआउट ने खलबली मचा दिया था। इस घटना के ठीक 50 वें दिन शनिवार रात देश के लोगों ने फिर शूटआउट का लाइव देखा। अंतर इतना था कि इस बार अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ ही इसका शिकार हो गए। अंदाज पहले ही शूटआउट की तरह ही था। अतीक और अशरफ को पुलिस जीप से उतारती है। काल्विन अस्पताल की तरफबढ़ती है, उसी समय तीन युवक वहां पहुंचते हैं और अतीक के सिर में पिस्टल सटा देता है। जैसे ही ट्रिगर दबाता है, उसी समय बगल में खड़ा युवक अशरफको गोली मार देता है।इसके बाद तीसरा युवक भी फायरिंग करने लगता है। अतीक और अशरफ जमीन पर गिरते हैं तो उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो जाती है। सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी जब तक संभलते हैं, तब तक सब खत्म हो चुका होता है। सामने तीनों हमलावर हाथ उठाए नजर आते हैं। उनको पकड़कर पुलिस जीप में बैठाकर निकल जाती है। इसका एक-एक फुटेज लोगों ने

देखा तो उनकी आखों से नींद गायब हो गई।माफिया अतीक अहमद की हत्या का हिसाब प्रदेश पुलिस को सुप्रीम कोर्ट तक देना पड़ सकता है। दरअसल, अतीक को देवरिया जेल कांड में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गुजरात की साबरमती जेल भेजा गया था। इस आदेश का इतना प्रभाव था कि पहली बार उमेश पाल अपहरण केस में कुछ दिन पहले पेशी पर प्रयागराज लाए गए अतीक को चार घंटे तक नैनी जेल के बाहर रखने के बाद वापस साबरमती जेल रवाना कर दिया गया था। हाल में बी वारंट पर प्रयागराज लाने के लिए भी पुलिस ने अदालत को अतीक की पूरी सुरक्षा करने का आश्वासन दिया था। अदालत ने भी अतीक को प्रयागराज लाने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। अतीक की वैन में मौजूद पुलिसकर्मी बॉडी वॉर्न कैमरा पहने हुए थे जिसकी लाइव फीड प्रयागराज के पुलिस कंट्रोल रूम को भेजी जा रही थी। सुरक्षा के दृष्टिगत 50 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।गौरतलब है कि उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक अहमद प्रदेश का सबसे दुर्दांत अपराधी बन गया था। इससे पहले इस फेहरिस्त में पहले मुख्तार अंसारी का नाम दर्ज था जबकि, अतीक पर मुख्तार से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। उमेश पाल और दो सरकारी गनर की हत्या ने अतीक को पहले बेटे असद को खोने का गम दिया। असद के एनकाउंटर के 72 घंटे भी नहीं बीते थे कि शूटरों को पालने का शौक रखने वाले अतीक और उसका भाई अशरफ खुद तीन शूटरों की गोली का शिकार बन गए।बताते चलें कि उमेश पाल हत्याकांड से पहले अतीक और उसके कुनबे के खिलाफकुल 164 मुकदमे दर्ज रहे हैं। बीते छह वर्षों में अतीक और उसके करीबियों की 1153 करोड़ की संपत्तियों को भी जब्त या ध्वस्त किया गया। पुलिस ने अतीक के आर्थिक साम्राज्य पर चोट करने के लिए ठेके-टेंडर से होने वाली 200 करोड़ से अधिक की आमदनी के सारे स्रोत भी बंद करा दिए थे। वहीं ईडी ने भी अतीक पर अपना शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। उसने बीते मंगलवार को अतीक के रिश्तेदार, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, करीबी कारोबारियों के ठिकानों पर छापे मारकर 150 करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग के सुबूत एकत्र किए थे।उत्तर प्रदेश की सियासत में बड़ा नाम रहे माफिया अतीक अहमद और उसके छोटे भाई अशरफकी शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके साथ ही प्रयागराज में माफिया के एक अध्याय का खत्मा हो गया। यह पहली बार नहीं है, जब प्रयागराज में इस तरह की वारदात हुई है। ऐसी एक-दो नहीं, बल्कि चार वारदातें हुई हैं, जब इलाहाबाद यानी आज का प्रयागराज गोलियों की आवाज से थर्राया है। इनकी गूंज पूरे देश में सुनाई दी है। इसकी शुरुआत आज से 27 साल पहले ही हो गई थी, जब पहली बार इलहाबाद की सड़कों पर सरेराह एके-47 की आवाज शहर के सबसे पॉश इलाके में सुनी गई थी। यह सारी कहानियां किसी ओटीटी प्लेटफार्म के क्राइम थ्रिलर की तरह हैं। जिस पर कई वेब सीरीज तक बनाई जा सकती हैं। दरअसल, इलाहाबाद में बालू के ठेकों से शुरू हुआ विवाद वर्चस्व की लड़ाई तक पहुंचा। इसके बाद 90 के दशक में पहली बार सुपारी किलिंग हुई। बात की शुरुआत भी सबसे पहले और राजनीति में बड़ा कद रखने वाले जवाहर यादव पंडित हत्याकांड से। सपा के बाहुबली नेताओं में शामिल और झूंसी से विधायक जवाहर यादव पंडित की 13 अगस्त 1996 को दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह पहली बार था, जब किसी हत्याकांड में एके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियार का इस्तेमाल हुआ था। ये तत्कालीन इलाहाबाद के डरावने इतिहास का सबसे खतरनाक हत्याकांड था। उस दौर में प्रयागराज का विस्तार हो रहा था। नई कॉलोनियां आकार ले रहीं थीं। तभी शहर के सबसे पॉश इलाके सिविल लाइंस की शाम गोलियों की आवाज से गूंज उठी। सपा विधायक जवाहर पंडित के साथ ही उनके चालक गुलाब यादव और एक राहगीर कमल दीक्षित की गोली लगने से मौत हो गई। हमलावरों ने तब तक गोलियां चलाईं, जब तक खून शरीर से गाढ़ा होकर निकलना बंद नहीं हो गया। इसमें कृष्णानंद राय का नाम आया और इसकी गूंज सियासी गलियारों में लंबे दौर तक सुनाई देती रही।वर्चस्व की लड़ाई से शुरू हुआ सफर आगे भी जारी रहा। इस बार बदले की भावना के साथ अति महत्वकांक्षा भी थी। जब 18 साल बाद फिर एक राजनेता के खून से इलाहाबाद की सड़कें लाल हो चुकी थीं। इस बार निशाने पर इलाहाबाद पश्चिम से बसपा के टिकट पर साल 2004 में चुनाव जीते विधायक राजू पाल थे। राजू पाल किसी समय अतीक अहमद के काफी करीबी हुआ करते थे, लेकिन उन्होंने 2002 में उनके खिलाफचुनाव लड़ा और हार गए। अतीक 2004 में इस्तीफा देकर सांसद बना और अपने भाई खालिद अजीम उर्फअशरफको मैदान में उतारा। अशरफ बसपा के राजू पाल से चुनाव हार गया, बस यहीं से एक नए खूनी सफर की शुरुआत हुई। पांच बार इस सीट से विधायक रहे अतीक और उनके परिवार से इसे अपनी आन पर ले लिया। अशरफइसमें मुख्य भूमिका में था। 25 जनवरी, 2005 को विधायक राजू पाल स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल से अपने घर लौट रहे थे। अस्पताल से निकलने के बाद अपनी गाड़ी में बैठे। गाड़ी खुद राजू पाल ही चला रहे थे। इस दौरान कुछ लोग स्कार्पियो से उनका पीछा कर रहे थे। रास्ते में राजू पाल अपने समर्थक की बहन को लिफ्ट देने रुकते हैं। धूमनगंज क्षेत्र में नेहरू पार्क के थोड़ा आगे बढ़ते हैं। तभी हमलावर उन्हें ओवरटेक करते हैं और चंद सेकेंड में ही फायरिंग शुरू हो जाती है। बताया जाता है कि करीब 25 हमलावर थे। उन्होंने इतनी गोलियां बरसाईं कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इसके बाद राजू पाल को टेंपो से अस्पताल लेकर भागे, लेकिन हमलावर कई किमी तक टेंपो पर भी फायरिंग करते रहे। अस्पताल पहुंचते-पहुंचते राजू पाल का शरीर छलनी हो चुका था। पोस्टमार्टम में उनके शरीर में 15 गोलियां मिलीं। वहीं इस हमले में उनके दो बॉडीगार्ड संदीप यादव और देवीलाल की भी मौत हो गई। विधायक राजू पाल की नौ दिन पहले ही शादी हुई थी। अभी ताजा घटनाक्रम में विधायक राजू पाल की हत्या में सबसे बड़े गवाह उमेश पाल की 24 फरवरी को ही प्रयागराज में उनके सुलेम सराय स्थित घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। उमेश जिला कोर्ट में वकील थे। हमलावरों ने उन पर गोलियां और बम बरसाए। इसमें उमेश को संभलने का मौका नहीं मिला। इसमें अतीक के साथ ही तीसरे नंबर के बेटे असद का नाम सामने आया। सीसीटीवी में उसका फुटेज भी दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने एक दिन पहले ही गुरुवार को उसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया। माना जा रहा है कि राजनीति के वर्चस्व की यह लड़ाई अब अतीक और अशरफ की हत्या के साथ खत्म हो चुकी है, लेकिन हालात अभी भी बहुत ठीक नहीं हैं। विपक्ष लगातार इस मामले को लेकर सरकार पर हमलावर है वह सीधे सरकार को भंग करने की मांग कर रहा है जबकि सरकारक के मंत्री इसे उपर वाले का न्याय बता रहे है। इन सब के बावजूद इतना तो तय है कि लाईव मार्डर के इस मामले में सरकार को सुप्रीम कोर्ट में तमाम सवालों का जबाब देना होगा।

संसद में लोकतंत्र का उत्सव

लोकतन्त्र को जब उत्सव की संज्ञा दी गई तो कम्युनिस्ट या मार्क्सवादी विचारकों ने इसे खामख्याली का नाम दिया और विवेचना प्रस्तुत की कि इस प्रणाली में पूंजीवादी शक्तियां सत्ता पर अपना अधिकार रखने का उपक्रम अपनी धन शक्ति के बूते पर करने में सक्षम हो जाती हैं अत: संसदीय प्रणाली के तहत चुनकर आने वाले जन प्रतिनिध्धि अन्तत: पूंजी या धनसत्ता पर अधिकार रखने वाले समूह के ही प्रतिनिधि बनकर रह जाते हैं और जनता का प्रतिनिधित्व वे केवल मुखौटे के रूप में करते हैं। परन्तु पिछली सदी के महामानव महात्मा गांधी ने इस राजनैतिक दर्शन का पुरजोर विरोध किया और कहा कि लोकतन्त्र के माध्यम से ही किसी भी देश की बहुसंख्य गरीब जनता के हाथ में संसदीय प्रणाली के माध्यम से ही सीधे सत्ता पूर्ण अहिंध्सक तरीके से सौंपी जा सकती है क्योंकि बिना भेदभाव के आधार पर प्रत्येक नागरिक को मिला एक वोट का अधिकार बड़ी से बड़ी शक्ति को भी सत्ता से दूर रखने में सफल हो सकता है बशर्ते कि जनता को इस वोट की अहमियत के बारे में पूरा ज्ञान कराया जाये। मार्क्सवाद सत्ता परिवर्तन के लिए जिन हिंसक तरीकों की पैरवी करता है उसका परिणाम भी अन्याय पूर्ण साधनों से प्राप्त सत्ता ही होगा जो कभी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था कायम नहीं कर सकती। अत: लोकतन्त्र सभी वर्गों व समुदायों और सम्प्रदायों द्वारा सत्ता प्राप्त करने या इसमें परिवर्तन करने की वह अमोघ चाबी है जिससे समन्वयवादी न्यायपूर्ण सत्ता का दरवाजा खुलता है। अत: स्वतन्त्र भारत में 1952 में जब पहले आम चुनाव हुए तो पं. जवाहर लाल नेहरू ने पूरे नौ महीने तक पूरे देश में घूम-घूम कर चुनाव प्रचार

किया और लोगों को एक वोट के अधिकार की महत्ता के बारे में समझाने का पूरा प्रयास किया और कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान में भाग लें और अपने मनपसंद की सरकारें चुने। प्रथम चुनाव अक्तूबर 1951 से शुरू होकर मार्च 1952 तक चले और इन चुनावों में उस समय तक सात सौ से अधिक पंजीकृत दलों ने भाग लिया। स्वतन्त्र भारत में बहुराजनैतिक दल गत व्यवस्था की स्थापना के साथ ही तय हो गया था गांधी ने जिस मुफलिस व अनपढ़ कही जाने वाली भारत की जनता की बुद्धि पर भरोसा किया था वह पूरी तरह ठीक था क्योंकि पहले ही चुनाव में भारत के लोगों ने विपक्षी कही जाने वाली पार्टियों के हक में भी 40 प्रतिशत से अधिक मतदान किया था। अत: भारत के लोगों ने लोकतन्त्र का उत्सव प्रथम चुनावों से ही मनाना शुरू कर दिया था और देश को आजादी दिलाने वाली कांग्रेस पार्टी के समक्ष साफकर दिया था कि केवल उसका विमर्श ही एकमात्र विमर्श नहीं हो सकता। गांधी वास्तव में यही चाहते थे और हर हालत में लोकतन्त्र में विचार विविधता व असहमति को बराबर का सम्मान देना चाहते थे। यही वजह थी कि जनवरी 1940 में जब स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान मुस्लिम लीग नेता मुहम्मद अली जिन्ना द्वारा अलग पाकिस्तान बनाने की मांग जोर पकड़ रही थी और दलितों के पैरोकार बाबा साहेब अम्बेडकर व दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य के सामाजिक न्याय के पुरोधा पेरियार के मध्य जब मुम्बई में जिन्ना हाऊस में चार दिन तक बैठक चली तो महात्मा गांधी ने जिन्ना को पत्र लिखकर कहा था कि वे तीनों नेता मिलकर कांग्रेस के विचारों के विरुद्ध अपना एक पृथक राष्ट्रीय दल क्यों नहीं बना लेते जिससे अखिल भारतीय स्तर पर अपने जनमत के बूते पर वह कांग्रेस को चुनौती दे सकें। मगर जिन्ना ने पेरियार व अम्बेडकर के साथ हुई अपनी बैठक को बेनतीजा ही छोड़ दिया और पेरियार को सलाह दी कि वह अलग द्रविड़ राष्ट्र का आन्दोलन चलाये और अम्बेडकर से कहा कि वह भी दलितों के लिए अलग राष्ट्र बनाने की मांग करें मुस्लिम लीग उनका समर्थन करेगी मगर पृथक पाकिस्तान की मांग को नहीं छोड़ेगी।वास्तव में गांधी की मंशा लोकतन्त्र में विचार मंथन की ही थी और जनता की इच्छा से सत्ता पर अधिकार की थी। इसमें विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच दुशमनी या रंजिश का वैरभाव नहीं था बल्कि अलग- अलग विचार रखने के बावजूद सामाजिक- व्यावहारिक मंचों पर मित्रता का भाव था जिसकी वजह से गांधी ने कहा था कि 'मैं अपने विरोधी के विचार उसे अपने से ऊंचे आसन पर बैठाकर सुनना पसन्द करूंगा'। वास्तव में लोकतन्त्र का यही मूल मन्त्र है जिसके आधार पर संसदीय प्रणाली काम करती है। अत: विगत दिन संसद परिसर में बाबा साहेब अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर सत्ता पक्ष व विपक्ष के नेताओं को एक साथ देखकर आम भारतवासी को यह अनुभूति होना स्वाभाविक है कि लोकतन्त्र विभिन्न विचारों का महाउत्सव ही होता है। प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी को राज्यसभा में विपक्ष के कांग्रेसी नेता श्री मल्लिकार्जुन खड़गे का हाथ पकड़कर दुआ-सलाम करने की मुद्रा बताती है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि सत्ता या विपक्षी खेमों में जरूर हो सकते हैं मगर सामाजिक-व्यावहारिक जिन्दगी में वे मित्रवत ही होते हैं। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जब राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने कार्य का निष्पादन करते हैं तो विपक्ष के सदस्यों को उनसे कई प्रकार की शिकायतें हो सकती हैं मगर जब वह अम्बेडकर जयन्ती समारोह में कांग्रेस की नेता श्रीमती सोनिया गांधी से मिलते हैं तो सामाजिक धर्म का निर्वाह करना जरूरी समझते हैं। ये दृश्य हमें भारत के लोकतन्त्र का पिछला गुजरा हुआ जमाना भी याद दिलाते हैं जब प्रधानमन्त्री पद पर आशीन स्व. पं. जवाहर लाल नेहरू की लोकसभा के भीतर समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया घनघोर तरीके से आलोचना किया करते थे और अपनी आलोचना मुस्करा कर सुनने के बाद पं. नेहरू उन्हें संसद के भीतर बने अपने कार्यालय में चाय पर आमन्त्रित किया करते थे। लोकतन्त्र में ऐसे ही क्षणों या अवसरों को उत्सव कहा जाता है जहां विरोध को भी उत्सव की तरह मनाया जाता है।

बेमौसमी बारिश और ओला वृष्टि

बेमौसमी बारिश और ओला वृष्टि ने भारत के किसानों को झंकझोर कर रख दिया। पंजाब और हरियाणा के किसान अब 14 दिसंबर के बाद सोना काटने अर्थात गेहूं की फसल की कटाई बैशाखी पर शुरू कर चुके हैं तो हमारी प्रभु से प्रार्थना है कि हे भगवान अब और बारिश कटाई पूरी होने तक न आए किसान अन्नदाता है।

मार्च खत्म होते ही अप्रैल का महीना गर्मी का कहर लेकर आया है। अगर देशी महीनों की बात करें तो चौत्र के बाद अप्रैल में गर्मी स्वाभाविक ही है। लेकिन बदलते प्रकृति के समीकरणों ने मार्च के महीने में ही दिल्ली वालों को पारे की गर्मी में पिघलने के लिए मजबूर कर दिया। इसके बाद जैसे ही अप्रैल यानि कि बैशाख महीना शुरू हुआ तो बारिश का दीदार हुआ जो गर्मी से राहत तो दे सकता है लेकिन किसान की छाती पर फावड़े की तरह चला। बेमौसमी बारिश और ओला वृष्टि ने उत्तर भारत के किसानों को झंकझोर कर रख दिया। पंजाब और हरियाणा के किसान अब 14 दिसंबर के बाद सोना काटने अर्थात गेहूं की फसल की कटाई बैशाखी पर शुरू कर चुके हैं तो हमारी प्रभु से प्रार्थना है कि हे भगवान अब और बारिश कटाई पूरी होने तक न आए किसान अन्नदाता है। हर कोई उनकी खुशहाली की कामना करता है तो देश भी खुशहाल बनता है। लेकिन मैं किसानों की खुशहाली की दुआ के साथ-साथ बदलते मौसम और भविष्यवाणियों को लेकर ज्यादा चिंतित हूं। अचानक ही स्काईमेट की भविष्यवाणी आती है कि इस बार बारिश बहुत कम आयेगी और यह सामान्य से भी कम रहेगी। किसान के लिए यह संदेश उसके भविष्य के लिए अच्छे नहीं है। इसी कड़ी में उत्तर भारत में भारी गर्मी की भविष्यवाणी की गई और साथ ही जुलाईध्के महीने में मानसून सामान्य से भी कम रहने की बातें कहीं गई। इस भविष्यवाणी को किए अभी चौबीस घंटे भी नहीं बीते थे कि सरकारी मौसम विभाग ने भविष्यवाणी कर डाली की मानसून निश्चित समय पर आयेगा

और सामान्य भी रहेगा। सामान्य मानसून का मतलब है फसलों के लिए उत्साह जनक स्थिति इन दोनों विभागों के भविष्यवाणियों के आधार पर निष्कर्षों को निकालकर मैंने कई चौनलों पर डिबेट देखे। सोशल मीडिया पर भी मैं बहुत कुछ देख रही हूं। लेकिन एक चीज हैरान कर देने वाली है कि आखिरकार मौसम के बारे में हमारी भविष्यवाणियां सही क्यों नहीं ठहरती। अकसर लोग मौसम विभाग की भविष्यवाणियों पर फब्तियां कसते हैं। आंधी-तूफान का आना या चक्रवातीय भविष्यवाणी या फिर बारिश को लेकर भविष्यवाणी अगर कसौटी पर अगर खरी नहीं उतरती तो मजाक उड़ने लगता है। मेरा व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि इनसेट से हमें जितनी जानकारियां मिल रही हैं उतनी ही प्राइवेट एजेंसियों को भी मिल रही हैं हालांकि प्राइवेट संस्थाओं से जुड़े लोग दूरसंचार विभाग को ज्यादा भुगतान कर लेटेस्ट टैक्नोलॉजी और लेटेस्ट अपडेट लेकर भविष्यवाणी कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि प्राइवेट विभागों ने यह सुविधा मोबाइल पर भी दे रखी है। सोशल मीडिया पर कहा जाता है कि मोबाइल पर मौसम की सूचना अगर स्काईमेट के सौजन्य से है तो वह ठीक सिद्ध होगी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए कितना अच्छा हो अगर सभी विभाग और संगठन एकीकृत तरीके से काम करें। यदि किसी भविष्यवाणी की बात आती है तो वह संयुक्त स्तर पर कर ली जाये ताकि लोगों के लिए भ्रम की स्थिति न बनें। सुविधाएं आज टैक्नालॉजी की देन है। लोग सबकुछ समझ रहे हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सूचना सही वक्त पर सामने आए और यदि वह सत्यता की कसौटी पर खरी उतरती है तो विश्वास बढ़ता है। मौसम की भविष्यवाणियों को लेकर हम इसी मंत्र से आगे चलें तो बहुत कुछ किया जा सकता है। पिछले दिनों बेमौसमी बारिश ने किसानों को जो दुरूख दिया अब इस अन्नदाता के लिए दुआ का वक्त है। हालांकि किसान संपन्न है। हाथ से कटाईध्की तकनीक बदल गई है। कई एकड़ भूमि पर मशीनों से कटाई हो रही है। ऐसे में बेमौसमी बारिश होना या न होना अलग बात है लेकिन बारिश को लेकर भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। इस भ्रमजाल से बचने के लिए हमें प्रकृति के परिवर्तन को स्वीकार करना होगा। दुनिया पर जलवायु का वैश्विक असर हो रहा है। भारत या उसकी राजधानी दिल्ली या पंजाब, हरियाणा, हिमाचल भी अछूते नहीं रहे। मौसम के बदलते परिवेश में प्रकृति बदल रही है। आइए भविष्यवाणियों को लेकर संयुक्त रूप से काम करें और सब खुशहाल रहें लेकिन बैशाखी के मौके पर हमारे किसान भाई सदा खुशहाल रहें ये दुआएं मैं जरूर दूंगी। हमारे अन्नदाता किसान और परिवार हमेशा खुश रहें। देश कोघ्खुशहाल रखें। जय जवान, जय घ्किसान। किसान और जवान हैं तो हम सब हैं।

शिवपाल ने झोंकी सपाई गढ़ बचाने के लिए ताकत

शिवपाल सिंह यादव संगठन के महत्वपूर्ण स्तंभ

संवाददाता

लखनऊ। निकाय चुनाव की धूम है। हर राजनीतिक दल अपने आप को प्रभावी होने का दावा कर रहा है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी हो या फिर मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आप या सुभासपा,सब ताल ठोक रहे हैं।चुनाव से पहले ही सभी जीत का दावा कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा और सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की भूमिका निकाय चुनाव में बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। संगठन के खास जानकार समझे जाने वाले

शिवपाल सिंह यादव निकाय चुनाव में प्रभावी भूमिका में दिख रहे हैं शिवपाल सिंह यादव के प्रभावी भूमिका में दिखने के पीछे ऐसी वजह बताई गई है कि उनको संगठन से जुड़े हुए लोग केवल पसंद ही नहीं करते हैं बल्कि उनकी बात को सुनकर उस पर अमल करते है। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद शिवपाल सिंह यादव समाजवादी पार्टी में प्रमुख भूमिका में हैं।

इससे पहले हुए निकाय चुनाव में शिवपाल सिंह यादव समाजवादी पार्टी से अलग होकर के एक नई राह पर चल रहे थे, जिसका फायदा कहीं न कहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने उठाया है और समाजवादी पार्टी को निकाय चुनाव में नुकसान हुआ है लेकिन इस दफा शिवपाल सिंह यादव पूरी तरह समाजवादी पार्टी के साथ खड़े हुए हैं, इसलिए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पिछले चुनावों में जो नुकसान की बातें कही जाती रही हैं या जो नुकसान होता हुआ नजर आया है,वह नुकसान अबकी दफा शायद न हो। शिवपाल सिंह यादव संगठन के महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाते हैं और जब कभी वह कार्यकर्ताओं के बीच मीटिंग करते हैं तो कार्यकर्ता उनकी बात को न केवल सुनते हैं बल्कि उनकी बात मानते हैं। कई दफा कई कई लोग चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार हुए जिनको शिवपाल सिंह यादव ने अपने अंदाज में मना करके एक किसी अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में काम करने के लिए रजामंद कर लिया। नतीजा पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में गया। शिवपाल सिंह यादव के करीबी माने जाने वाले ऐसा मानकर के चलते हैं, शिवपाल सिंह यादव ने भीतरी तौर पर संकेत पार्टी कार्यकर्ताओं को दे दिया है कि पार्टी से जो भी अधिकृत उम्मीदवार उतारा जाए उसके पक्ष में ही हर हाल में काम करना है और उसको विजय श्री दिला करके पार्टी को मजबूती प्रदान करनी है, इसलिए शिवपाल सिंह यादव लगातार बैठक दर बैठक करने में जुटे हुए हैं।शिवपाल सिंह यादव इटावा में कैंप किए हुए है।

तय स्थान पर हों धार्मिक कार्यक्रम, न शुरू हो कोई नई परंपरा : प्रमुख सचिव गृह

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने आगामी त्यौहारों के आलोक में पुलिस अधिकारियों को बुधवार को कहा कि प्रदेश में कोई भी शोभायात्रा,धार्मिक जुलूस बिना विधिवत अनुमति के नहीं निकाले जायें और अनुमति भी केवल उन्हीं धार्मिक जुलूसों को दिया जाए, जो पारंपरिक हों, नए आयोजनों को अनावश्यक अनुमति न दी जाए। सरकारी बयान में कहा गया है कि प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के क्रम में बुधवार को संजय प्रसाद ने पुलिस महानिदेशक आरके विश्वकर्मा तथा विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

उन्होंने कहा, ''रमजान का महीना चल रहा है। आगामी 22 अप्रैल को ईद-उल-फित्तर, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती का पर्व एक ही दिन होना संभावित है। वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों के दृष्टिगत सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई शोभायात्रा,धार्मिक जुलूस बिना विधिवत अनुमति के न निकाली जाए।

अनुमति केवल उन्हीं धार्मिक जुलूसों को दिया जाए, जो पारंपरिक हों, नए आयोजनों को अनावश्यक अनुमति न दी जाए। प्रमुख सचिव गृह ने सोशल मीडिया को लेकर अधिकारियों को संवेदनशील रहने की जरूरत भी बताई। उन्होंने कहा कि अफवाह/फेक न्यूज का खंडन पुलिस कप्तान जैसे वरिष्ठ अधिकारी द्वारा की जाए।

संक्षिप्त समाचार

एनएचआरसी द्वारा केस दर्ज

संवाददात, लखनऊ। एसटीएफद्वारा असद और गुलाम मोहम्मद के कथित इनकाउंटर के मामले में अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा भेजी गई शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केस दर्ज कर लिया है। अमिताभ ठाकुर को भेजे गए ईमेल में आयोग के सहायक रजिस्ट्रार ने बताया है कि इस संबंध में उनके द्वारा भेजी गई शिकायत को एसएसपी झांसी द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के साथ संबद्ध कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। अमिताभ ने डिप्टी एसपी एसटीएफनवेंदु कुमार द्वारा थाना बड़गांव, झांसी में दर्ज कराए गए तीन एफआईआर और एसटीएफद्वारा इस संबंध में जारी किए गए मौके के विभिन्न फोटोग्राफके आधार पर 12 संदेह के बिंदु के आधार पर यह शिकायत की थी।

एचसी: 4 सप्ताह में कार्यवाही करे मानवाधिकार आयोग

संवाददात, लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अमिताभ ठाकुर द्वारा उत्तर प्रदेश मानव अधिकार आयोग में की गई शिकायत के संबंध में 4 सप्ताह में समुचित कार्रवाई किए जाने के लिए आदेश दिए हैं। अमिताभ ठाकुर ने अपनी याचिका में कहा था कि उन्हें अगस्त 2021 में अवैध ढंग से उनके आवास पर नजरबंद किया गया, उनके घर विधिविरुद्ध ढंग से पुलिस बल भेजकर उन्हें घर से उठाया गया और थाना हजरतगंज में मारपीट की गई। इस संबंध में उन्होंने मानवाधिकार आयोग को शिकायत की जिस पर कार्यवाही अपेक्षित है। इस पर जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस मनीष कुमार की बेंच ने अमिताभ ठाकुर को 2 सप्ताह में पुलिस कमिश्नर की आख्या पर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करने और आयोग को इस पर 4 सप्ताह में अपना निर्णय पारित करने का आदेश दिया।

अपग्रेड कंपनी में हुआ लखनऊ विश्व विद्यालय के 15 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

संवाददात, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 15 छात्र-छात्राओं का अपग्रेड कम्पनी में कैंपस प्लेसमेंट हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए.के सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया स्नातक एवं परा-स्नातक छात्रों के लिए आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अपग्रेड कम्पनी में बीटेक के 2 छात्रों आदित्य पाण्डेय, मोहित गंगवार, बीसीए के छात्र अनुपम पाण्डेय, एमसीए के 2 छात्रों प्रतिष्ठा पाण्डेय, मुहम्मद अब्दुल्ला, बीबीए (आईएमएस) के 4 छात्रों दीपक गुप्ता, अनुज त्रिवेदी, रत्नेश मिश्रा एवं पीयूष कुमार श्रीवास्तव, एमबीए के 3 छात्रों गौरव मिश्रा (आईएमएस), नैन्सी टंडन (आईएमएस), सलोनी श्रीवास्तव (लुम्बा) और बीकॉम के 3 छात्राओं (स्नेहा वैश, मधु एवं गौरी त्रिपाठी) का चयन एसोसिएट एडमिशन काउंसलर के पद पर हुआ है। कम्पनी ने स्नातक छात्रों को 7.5 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया है।

लखनऊ में बदला स्कूलों का समय

संवाददात, लखनऊ। डीएम ने तेज गर्मी की वजह से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। स्कूल का समय कक्षा 1 से 8 तक सभी स्कूलों का समय 7.30 से 12.30 कर दिया गया है। वहीं, कक्षा 9 से 12 तक के सभी स्कूलों का समय सुबह 7.30 से 1.30 कर दिया गया है। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में गर्मी अपने तेवर दिखा रही है। ऐसे में बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है। इस वजह से शासन स्तर से ये फैसला लिया गया है।

सपा के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप की अध्यक्षता में चुनाव संचालन समिति की हुई बैठक

संवाददात, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप की अध्यक्षता में चुनाव संचालन समिति की बैठक की गई। वर्तमान विधायक सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने महापौर पद की जीत का खाका खींचा। वर्तमान विधायक सहित पूर्व विधानसभा प्रत्याशी और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी को प्रभारी बना कर सौंपी जिम्मेदारी। समाजवादी पार्टी की लखनऊ निकाय चुनाव सहित महापौर प्रत्याशी वंदना मिश्रा मौजूद रहीं। इस क्रम में आज समाजवादी पार्टी के कैसरबाग स्थित नगर कार्यालय में चुनाव संचालन समिति की बैठक पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में तय हुआ पार्टी के समस्त फ्रंटल संगठन पूरी तैयारी जोर शोर के साथ निकाय चुनाव और महापौर प्रत्याशी वंदना मिश्रा के पक्ष में माहौल बनाये और बूथवार लोगो से घर घर जाकर मतदाताओं से मिलें। बैठक में तय हुआ कि वोटर लिस्ट लेकर दो दो पन्ने की जिम्मेदारी लोगो को दी जाए। जिनका मुख्य कार्य जनसंपर्क के साथ साथ पोलिंग वाले दिन लोगो को घर से निकल कर मतदान कराना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। बैठक मे तय हुआ कि प्रत्येक विधायक, विधायक प्रत्याशी रहे लोगो को विधानसभा वार प्रभारी बनाकर चुनाव की जिम्मेदारी दी गयी। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने की।

सी.एम.एस. छात्रा को 37,000 डालर की स्कॉलरशिप

संवाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर (प्रथम कैम्पस) की छात्रा फारा नदीम को उच्चशिक्षा हेतु आस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित आर.एम.आई.टी. यूनिवर्सिटी द्वारा 37,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। सी.एम.एस. छात्रा को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने फारा नदीम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अयोध्या पंचांग-टेबल कैलेंडर का विमोचन किया

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आज भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए भारतीय नववर्ष अयोध्या पंचांग टेबल कैलेण्डर का विमोचन किया। इस अवसर पर जयवीर सिंह ने कहा सरकार भारत की प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्द्धन करके गॉव-गॉव तक पहुंचने के साथ ही युवा पीढ़ी को इसकी महत्ता की जानकारी देना चाहती है। इसके अलावा

प्राचीनकाल से सनातन संस्कृति में प्रचलित पंचांग के महत्व से परिचित कराने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी दिशा में संस्कृति विभाग की ओर से अयोध्या पंचांग तैयार कराया गया है। इस पंचांग में कालगणना की विश्वसनीय गणना के साथ ही समस्त धार्मिक पर्वों, मासों, नक्षत्रों की सटीक जानकारी दी गयी है। सनातन संस्कृति में पंचांग प्राचीनकाल से ही प्रचलित रहे हैं। इनकी गणना के अनुसार सारे शुभ कार्यों की शुरूआत की जाती है। भारतीय जनमानस में इनकी विश्वसनीयता आदिकाल से बनी हुई है। इसमें वेद, नक्षत्रों तथा ज्योतिष गणना से संबंधित विभिन्न जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पंचांग सभी लोगों के लिए उपयोगी एवं संग्रहणीय हो सके, इसके लिए हर संभव प्रयास किया गया है। इस अवसर पर अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक लवकुश द्विवेदी सहित संस्कृति विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विज्ञान भवन में गूंजेगी यूपी के जल जीवन मिशन की सफलता की कहानी

संवाददाता, लखनऊ। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जल जीवन मिशन की सफलता की कहानी बयां करेंगे। प्रमुख सचिव को सिविल सेवाओं के सबसे बड़े कार्यक्रम में सरकार ने जल जीवन मिशन पर बोलने के लिए नामित किया है। 16वें सिविल सेवा दिवस में प्रमुख सचिव पाइप्ड वॉटर फॉर आल-जल जीवन मिशन विषय पर अपने विचार रखेंगे। यूपी के प्रमुख सचिव देशभर में एकमात्र अफसर होंगे। जिनको जल जीवन मिशन योजना पर बोलने के लिए सिविल सेवा दिवस पर आमंत्रित किया गया है। जेड कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत करेंगे। सिविल सेवा दिवस के इस कार्यक्रम में देश भर के कई बड़े अधिकारी भाग लेंगे। कार्यक्रम का विषय विकसित भारत-इम्पावरिंग सिटिजन्स एण्ड रीचिंग द लास्ट माइल है। कार्यक्रम का मकसद भारत के सिविल सेवकों को ध्देश पहलेष् के रवैये के प्रति अपने आप को समर्पित करने के लिए प्रेरित करना है। इससे पहले नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव जल जीवन मिशन पर आयोजित सत्र के दौरान यूपी में वर्ष 2019 के पहले और बाद हर घर जल योजना के शुरू होने से आज तक आए बदलाव को बताएंगे। चट्टानी और पथरीले बुंदेलखंड में गांव-गांव तक पहुंचे नल और स्वच्छ जल मिलने से आए जन-जीवन में परिवर्तन पर भी प्रकाश डालेंगे। पहला मौका है जब देश में तेज गति से नल कनेक्शन देने वाले राज्यों में बहुत कम समय में तीसरा स्थान बनाने वाले यूपी के प्रमुख सचिव को योजना के प्रस्तुतिकरण के लिए चयनित किया गया है। यूपी ने बड़ी आबादी के बावजूद बहुत कम समय में एक करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन देने की उपलब्धि भी अपने नाम की है। इसके अलावा दो सालों में उपलब्धियों की एक लम्बी फेरिस्त के साथ आगे बढ़ती योजना के सफल प्रयासों का भी प्रस्तुतिकरण सिविल सेवकों के सामने रखा जाएगा।

भीषण गर्मी से तपा उत्तर प्रदेश

जल्द राहत मिलने की उम्मीद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस वक्त भयंकर गर्मी की चपेट में है और अनेक स्थानों पर भीषण लू चलने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि आने वाले एक-दो दिनों में कुछ स्थानों पर लोगों को प्रचंड गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम केंद्र ने इसकी जानकारी दी। मौसम केंद्र लखनऊ की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के लगभग सभी जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर बना रहा और इस अवधि में प्रयागराज तथा हमीरपुर 44.2 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश के सबसे गर्म स्थान रहे। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में अनेक स्थानों पर भीषण

तपिश और लू का प्रकोप रहा। इस दौरान मुरादाबाद को छोड़कर प्रदेश के बाकी सभी मंडलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस से तीन डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। पिछले कुछ दिनों से हर रात के वक्त भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है पिछले 24 घंटों के दौरान गोरखपुर अयोध्या बरेली और मेरठ मंडलों में रात के तापमान में खासी वृद्धि दर्ज की गई गोरखपुर अयोध्या लखनऊ और आगरा में रात का तापमान सामान्य से काफी ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रयागराज और हमीरपुर में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कुशीनगर में 44.1, फुरसतगंज (अमेठी), झांसी और मथुरा में 43.6, सुल्तानपुर में 43.5, आगरा में 43.4, आजमगढ़ में 42.7 और गोरखपुर में 42.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश अथवा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं जिससे लोगों को तपिश से राहत मिलने की उम्मीद है। बहरहाल, प्रदेश में जबरदस्त तपिश और लू के थपेड़ों की वजह से जनजीवन पर असर पड़ा है और लोग दोपहर के समय घरों और दफ्तरों से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं।

मंडलायुक्त ने अफसरों से किया संवाद, दिए अफसरों को निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। डॉ रोशन जैकब ने लखीमपुर-खीरी डीएम महेंद्र बहादुर सिंह सीडीओ अनिल कुमार सिंह की मौजूदगी मे ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं को लेकर अफसरों संग विकास भवन सभागार में संवाद किया। मंडलायुक्त लखनऊ मंडल ने अफसरों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पेयजल, राजकीय ट्यूबवेल की क्रिया शीलता सहित अन्य जरूरी एवं मुकम्मल व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही निर्देश दिए बिजली आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय अवधि में परिवर्तन हो। जनमानस से जुड़े महत्वपूर्ण एवं गंभीर विषयों पर त्वरित रिस्पॉन्ड करके राहत पहुंचाएं। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान निवशकों के एमओयू हस्ताक्षर के उपरांत निवेशकों के प्रस्ताव को धरातल पर उतारने के लिए कहा। निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के संबंध में निवेशकों को विभिन्न विभागों से एनओसी लाइसेंस प्रदान कराने, निवेशकों को भूमि आवंटन, बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने एवं उद्योग स्थापना में आने वाली सभी समस्याओं के निस्तारण को धरातल पर उतारने के लिए संबंधित लोग त्वरित कार्रवाई प्रारंभ कर दें। संवाद के दौरान सीडीओ अनिल सिंह, उपायुक्त उद्योग संजय सिंह, डीडीओ अरविंद कुमार, एसडीएम श्रद्धा सिंह समेत बड़ी संख्या में निवेशक उद्यमी मौजूद रहे।

ग्राम्य विकास विभाग विभिन्न योजनाओं में देश में अव्वल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व में संचालित ग्राम्य विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में नित नये आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। मनरेगा धनराशि के व्यय, परिवारों को रोजगार देने,100दिवसो का पूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने को, अमृत सरोवरो के निर्माण जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में पहले पायदान पर है। महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्राम रोजगार गारंटी योजना मे भौतिक लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कि 26 करोड़ मानव दिवस निर्धारित किया गया था. प्रदेश में में अनुभवण से प्राप्त प्रगति के दृष्टिगत ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने प्रदेश को भौतिक लक्ष्य बढ़ाकर 28.78 करोड़ मानव दिवस किया कर दिया , लेकिन योजना के बेहतर क्रियान्वयन के फलस्वरूप बढ़े हुये लक्ष्य की भी न केवल शत प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की गयी बल्कि उससे बढ़कर 31.5 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए। मनरेगा में वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश ने 11920.76 करोड़ की धनराशि व्यय कर मनरेगा योजना के अंतर्गत धनराशि व्यय करने में प्रदेश का देश में प्रथम स्थान पर है। मनरेगा के तहत परिवारों को रोजगार प्रदान करने में प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। मनरेगा मे प्रदेश मे परिवारों को 100 दिवसों का पूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रदेश को 5525 अमृत सरोवर निर्माण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष प्रदेश ने लगभग 10 हजार अमृत सरोवर बनाकर इस योजना में भी उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।

लखनऊ विश्वविद्यालय मे ब्लड बैंक का हुआ आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व यज्ञ चेरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त में नवीन परिसर के जूरिस हाल में रक्तदान शिविर का लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर के निदेशक एवं विधि संकाय के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) बंशी धर सिहं एवं विधिक सहायता केंद्र के चेयरपर्सन डॉ आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन में किया गया। इस रक्तदान शिविर में लखनऊ विश्वविद्यालय नवीन परिसर के विभिन्न विभाग के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर का हिस्सा लिया।शिविर का उद्घाटन करते हुए अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. डॉ. बंशी धर सिंह ने कहा रक्तदान महादान माना जाता है। रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है। साथ ही किसी जरूरतमंद का जीवन भी बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामान्य लोग रक्तदान से इसलिए हिचकते हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे शरीर में कमजोरी हो जाएगी। जबकि ऐसा नहीं है।रक्तदान करने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। रक्तदान से हृदय की सेहत में सुधार होता है। साथ ही वजन नियंत्रित रहता है। कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम होता है, रक्तदान से न सिर्फ शरीर पर बल्कि मस्तिष्क पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। स्टूडेंट डीन इन्द्र दमन तिवारी ने बताया इस रक्तदान शिविर में विभिन्न संकायों से लोगों ने प्रतिभाग किया। रक्तदान के लिए आए लोगो का हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर महत्वपूर्ण जांच किए गए। आयोजित रक्तदान शिविर के पूर्व में दो दिवसीय रक्तदान जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके उपरान्त विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों द्वारा लखनऊ विश्व विद्यालय, नवीन परिसर के विभिन्न विभागों में लोगो को रक्तदान की महत्ता बताई गई।

निकाय चुनाव : नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार का करेंगे खात्मा : आप

जीतने पर हाउस टैक्स हाफ और वॉटर टैक्स होगा माफ : संजय सिंह

संवाददाता

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव को लेकर आप उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पिछले 1 वर्ष से लगातार नगर निगम, नगर पंचायत, नगर पालिका में जाकर आप की नीतियों से जनता को अवगत करा रहे थे जिसका परिणाम यह हुआ कि हमारी पार्टी को आज जनता का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी सभी नगर निगमों में चुनाव लड़ रही है और प्रथम चरण

का नामांकन भी पूरा हो चुका है।सांसद संजय सिंह ने कहा कि हमारे सभी मेयर प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं।संजय सिंह ने लखनऊ के मेयर प्रत्याशी और वार्ड के सभी पार्षद प्रत्याशियों के साथ बैठक कर चुनाव कैंपेन और क्षेत्र की मुख्य समस्याओं पर चर्चा कर चुनाव जीतने के गुरु मंत्र दिए। इस मौके पर मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वैभव महेश्वरी, लखनऊ से खड़ी मेयर प्रत्याशी अंजू भट्ट, निकाय चुनाव सदस्य ब्रज कुमारी सिंह, जिला अध्यक्ष शेखर दीक्षित, निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी को जब दिल्ली की कमान सौंपी गई तब लोगों ने मजाक बनाया कि इतने से बजट में दिल्ली कैसे चलाओगे, तब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, बिजली-पानी फ्री करके एवं वृद्धों को तीर्थ यात्रा पर निशुल्क भेज कर भी सबसे मुनाफे का बजट साबित करके दिखाया। चुनावी समीकरण में सांसद संजय सिंह ने आप की ओर से जनता को दी जाने वाली सुविधाओं का विवरण देते हुए कहा कि अगर आम आदमी पार्टी जीतती है तो हाउस टैक्स हाफ और वाटर टैक्स माफहोगा।उन्होंने कहा अंजू भट्ट के मेयर बनते ही जनता से मेरा अनुरोध है कि वह अपना पहले का बचा हुआ हाउस टैक्स का बिल फाड़ के फेंक दें क्योंकि उतना पूर्ण रूप से माफकर दिया जाएगा। सांसद सिंह ने कहा कि नगर निगम में अगर हमारी सरकार बनती है तो हमारा मोहल्ला क्लीनिक का मॉडल लखनऊ के 117 वार्डों में स्थापित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि मोदी और योगी को मौका देने के बाद जनता को आम आदमी पार्टी को भी जरूर अवसर देना चाहिए क्योंकि यह शहर की गंदगी का मुद्दा है इसलिए इसको झाड़ू वालों को सौंप देना चाहिए। सांसद संजय सिंह ने चुनावी वायदों की फेहरिस्त में शिक्षा के मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार हम ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का नक्शा बदला, हम नगर निगमों के स्कूलों को ए ग्रेड का बनाकर दिखा देंगे जिसका वातावरण तो अच्छा होगा ही साथ ही बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए वहां का परीक्षा परिणाम भी लोगों को आश्चर्य में डाल देगा क्योंकि वह कान्वेंट से बेहतर होगा। सांसद संजय सिंह ने कहा कि रेहड़ी पटरी वालों के लिए बहुत सी समस्याएं हैं, अगर हम निकाय चुनाव में विजई होते हैं तो रेहड़ी पटरी वालों की सभी समस्याओं का समाधान करेंगे।

घर-घर दस्तक दे रहीं आशा बहुएं

❑ गठित 1263 टीमें 30 अप्रैल तक 2.57 लाख घरों पर देंगीं दस्तक

❑ टीबी,कुपोषण,मौसमी बीमारियों के बारे में करेंगीं सम्पूर्ण जानकारियां

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

इटावा। टीबी, कुपोषण, मौसमी बीमारियों के मरीजों की तलाश के लिए आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अभियान के तहत घर-घर दस्तक शुरू करदी है। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के बाहर स्टीकर लगाकर लोगों को साफसफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों को अपने आसपास गंदे पानी को न एकत्रित होने देने की भी सलाह और विभिन्न बीमारियों से बचाव के बारे में तौर-तरीके बता रहीं हैं । यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। जिला मलेरिया अधिकारी नीरज दुबे ने बताया कि दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए 1263 टीमों को गठन किया गया है जो 2.57 लाख से अधिक घरों को कवर करेंगी। डिप्टी सीएमओ व नोडल अधिकारी डॉ0 श्रीनिवास का कहना है कि जिले में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान के क्रम में 17 अप्रैल सोमवार से दस्तक अभियान की शुरु हो गया है। उन्होंने अपील की कि बीमारी का लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर विभाग को अवगत करायें। या आशा कार्यकर्ता से सम्पर्क करें साथ ही आशा के घर पर आने पर उसके द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के सही जवाब दें जिससे आपके स्वास्थ्य की सही जानकारी हो सके स जिला मलेरिया अधिकारी नीरज दुबे ने बताया कि इस अभियान में मुख्य जिम्मेदारी आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सौंपी गई है। इस अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों तथा विभिन्न रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हीकरण कर सूचीबद्ध भी किया जाएगा। मुख्य रूप से बुखार,इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस,टीबी व कुपोषित बच्चों पर ध्यान दिया गया है। एक हफ्ते से ज्यादा बुखार या खांसी वाले लोगों तथा कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुपोषित बच्चों की सूची बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को सौंपी जाएगी। इसके माध्यम से बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में रेफर किया जाएगा। इसी तरह टीबी के मरीजों की सूची क्षय रोग विभाग को भेजी जाएगी। इसके लिए पूर्व में ही आशा को प्रशिक्षित किया जा चुका है। मलेरिया अधिकारी ने बताया कि यह दस्तक अभियान 17 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा।

मच्छरों से ऐसे करें बचाव

अपने घर के आस-पास किसी भी तरह का जलभराव न होने दें,ध्यान रहे मच्छर गंदे और साफपानी दोनों में पनप सकते हैं,घरों में खिड़की दरवाजे के रास्ते घुस जाते हैं, दरवाजे और खिड़कियों पर लगाए जालियां, जालियों से हवा का अन्दर आवागवन बना रहे, लेकिन मच्छर न घुस पायें, घरों की छतों पर रखी पानी की टंकी को ढककर रखें, ताकि मच्छर न पनप पायें, रात में सोने के लिए मच्छरदानी का उयोग करें, मच्छरों से बचने के लिए ये बेहद आसान, प्रचलित और बेहद सुरक्षित तरीका है, पूरी बांह के कपड़े पहनें, गाँव में जानवरों के बाड़ों को घर से दूर रखें,यहाँ काफी मच्छर पनप सकते हैं, इसलिए इसमें साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखें,खराब टायर, कूलर आदि में पानी जमा होने न दें, संतुलित आहार ले और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले फ्रूट सब्जियों का प्रयोग करें।

छात्रवृत्ति परीक्षा में बच्चो ने किया जिले का नाम रोशन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई । राष्ट्रीय आय आधारित योग्यता परीक्षा 2022 में विकासखंड संडीला के कंपोजिट विद्यालय सुंदरपुर से दो बच्चों ने जिले में क्रमश ईशान ने 85 अंक प्राप्त कर 23 वी रैंक तथा शुभम ने 76 अंक प्राप्त कर 32 वी रैंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। केन्द्रीय सरकार की ओर से ऐसे बच्चों को अगली कक्षा 9से 12 तक 1000/ प्रतिमाहकी दर से छात्रवृति दी जाती है। चयनित बच्चों व उनके अविभावकों को विद्यालय की ओर से अनन्त कुमार प्रभारी प्रधानाध्यापक, सर्वेन्द्र कुमार स.अ.अनिलकुमार स.अ., वन्दना शर्मा, रीता देवी, रमाकान्ती, द्वारा उत्साह वर्धन और सम्मान किया गया। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी इसी क्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय जामू में राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल हुए आशीष कुमार को विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक श्री मोहम्मद हारुन जी नोडल संकुल शिक्षक श्री देवेंद्र बाजपेई एवं राजकीय प्रधानाध्यापक श्रीअर्जुन यादव जी एवं समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा जिसमें बच्चे को एक शील्ड एवं उपहार के तौर पर रजिस्टर एवं जमेट्री सेट व मेडल प्रदान किया गया।

दो शस्त्र फैक्ट्री का किया पुलिस भंडाफोड़

नगर निकाय चुनाव को लेकर कार्रवाई, तीन को गिरफ्तार कर भेजा जेल

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई। मंझिला और लोनार पुलिस ने दो शस्त्र फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। जिसमें अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध शस्त्र व उपकरण बनाने का सामान बरामद किया है। आगामी निकाय चुनाव को लेकर पुलिस ने दो शस्त्र फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। जिसमें तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से भारी मात्रा में अवैध शस्त्र व उपकरण बनाने का सामान बरामद किया गया है। मंझिला पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों और चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम उल्नापुर में भट्ठे के पीछे खेत में कुछ लोग अवैध शस्त्र बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर दो जाल को पकड़ लिया जबकि एक ही दिन में सफल हो गई। पकड़े गए जुड़े लोगों ने पूछताछ में अपना नाम पचदेवरा के विनस रहेलन और कुंवरपुर निवासी वसीम और मशरूर अली को बताया है। किसके पास से पुलिस ने 5तमंचा, 4जिंदा मई 4खोखा कारतूस व भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। उसी समय लोनार पुलिस को सूचना मिली कि मैजिकपुर के बाहर आम व यूकेलिप्टस के बाग में अवैध शस्त्र बनाए जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार किया। पूछो में एक्स ने अपना नाम जादूपुर निवासी विकास बताया। जिसके पास से

पुलिस ने एक तमंचा व एक अर्द्धनिर्मित तमंचा सहित भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि आगामी दो सप्ताह में नगर निकायों के चुनाव होने हैं। आश्वासन को लेकर एएसपी पश्चिमी के निर्देश पर तालमेल अभियान चलाया गया। जिसमें मंझिला और लोनार पुलिस ने बड़ी संख्या में अवैध शस्त्र और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। एसपी ने मंझिला पुलिस को 10 हजार और लोनार पुलिस को 5 हजार रु का इनाम दिया है।

शिक्षकों की तरफसे की जा रही बेहतर पढ़ाई का ही परिणाम हैं राष्ट्रीय परीक्षा में चयनित बच्चे : रत्नामणि

❑ बीईओ ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा में चयनित बच्चों का मुंह मीठा कराकर दी बधाई

संवाददाता

रायबरेली। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति- 2023 का परीक्षा परिणाम बुधवार की शाम को जारी किया गया है। परीक्षा नियामक प्राधिकरण, प्रयागराज की तरफ से जारी किए गए परिणाम में जिले से 232 बच्चों का चयन किया गया है। अमावां ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से एक करीब एक दर्जन छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। इस परीक्षा में कम्पोजिट विद्यालय पिंडारी कला के चार, उच्च प्राथमिक विद्यालय पहरेमऊ के तीन, कम्पोजिट विद्यालय जरैला और हैबतमऊ से एक-एक बच्चे का चयन हुआ है। गुरुवार को बीआरसी अमावां में उच्च प्राथमिक विद्यालय पहरेमऊ के सफल बच्चों का बीईओ रत्नामणि मिश्रा ने मुंह मीठा कराकर उन्हें बधाई दी। उन्होंने परीक्षा में चयनित दीपांजलि गुप्ता ,आशीष कुमार और अजीत कुमार और सहायक अध्यापिका प्रीति सक्सेना के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए तारीफ की। वहीं, कम्पोजिट विद्यालय पिंडारी कला से चयनित हुए हिमांशु यादव, सोनम, आजाद और राजकरन को बधाई देते हुए विद्यालय के स्टॉफ को भी बधाई दी। साथ ही उन्होंने विद्यालय के शिक्षक राजेश सिंह की तरफ से किए जा रहे प्रयासों की प्रंशसा करते हुए कहा कि ऐसे ही उनके निर्देशन में बच्चे बेहतर तरीके से पढ़ते रहें और आगे बढ़ते रहें। कम्पोजिट विद्यालय जरैला से चयनित हुई छात्रा ज्योति और हैबतमऊ से चयनित हुए अंकित को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालय के स्टॉफ की तरफ से लगातार की जा रही बेहतर पढ़ाई का नतीजा रहा है, जिले के हजारों में से इन बच्चों का चयन हुआ है। बता दें, कक्षा आठ में पढ़ने वाले बच्चों के लिए बीते साल नवबंर-दिसंबर में परीक्षा कराई गई थी। इसमें उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों को सरकारी स्कूल में प्रवेश लेने पर कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई के लिए हर महीने 1000 रुपये छात्रवृत्ति दी जाएगी। इन कक्षाओं में फेल होने और पढ़ाई बीच में छोड़ने पर ये छात्रवृत्ति बंद हो जाएगी।

क्या बीमार चुनाव को बचा पाएगा डॉ. साहब का एंटीबायोटिक?

❑ कार्यकर्ताओं का आरोप, कमीशनखोर कर रहे हैं भाजपा प्रत्याशी का चुनाव संचालन

❑ बड़े नेताओं की आपसी खींच-तान डुबो रही है लुटिया

अनुभव स्वरुप यादव

रायबरेली। नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में प्रमुख दलों के प्रत्याशियों से नाराज कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी की लुटिया डुबोने में लगे हुए हैं। समाजवादी पार्टी और भाजपा दोनों दलों के प्रत्याशियों के साथ उनके कार्यकर्ता सहज नहीं हो पा रहे हैं और ये दोनों दलों के लिए बड़ी मुसीबत है। प्रत्याशी प्रचार करके जितना माहौल बनाने की कोशिश कर रहे है उससे कहीं ज्यादा उनके कार्यकर्ता सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक धोने का काम कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी की रार तो पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मो0 इलियास उर्फमन्नी भाई के पार्टी छोड़ने के बाद जग जाहिर हो गयी लेकिन भाजपा के अंदर की खींच-तान उसके लिए सबसे ज्यादा घातक बनती जा रही है। सूत्रों की माने तो भाजपा प्रत्याशी के चुनाव का संचालन दवा व्यवसायी लोग कर रहे हैं जिनके साथ पार्टी के कार्यकर्ता सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। एक तो पहले वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए भाजपा ने एक चिकित्सक की पत्नी को टिकट दिया है, जो कि गैर राजनैतिक हैं और जिनका पार्टी के लिए संघर्ष में कोई योगदान नहीं है इसको लेकर पहले ही कार्यकर्ता अपनी नाराजगी सोशल मीडिया पर जता चुके हैं और अब ऐसे में दवा व्यवसायियों द्वारा चुनाव का संचालन कार्यकर्ताओं को और चिढ़ा रहा है। दवाओं से लेकर जाँच तक मरीज के इलाज में हर स्तर तक कमीशन खोरी करने वाले लोगों द्वारा चुनाव का संचालन प्रत्याशी की छवि को और कमजोर करता जा रहा है और फिर जब कार्यकर्ता भी नाखुश हैं तो प्रत्याशी की नैया कैसे पार लगेगी प्रत्याशी के पति डॉ0 साहब का एक

दवा व्यवसायी के नर्सिंग होम से क्या सम्बन्ध है यह सबको पता है। गरीब जनता की नजर में डॉ0 , दवा व्यवसायियों और नर्सिंग होम संचालकों की बहुत छवि नहीं बची है, दवा व्यवसाय में हर स्तर पर कमीशन खोरी ही गरीब जनता को बेहतर इलाज से वंचित करता है। डॉ0 की छवि अगर बेहतर होती तो पूर्व में दो बार प्रत्याशिता कर चुके एक जाने-माने डॉ0 के भाई नगर पालिका अध्यक्ष बन चुके होते। वे दो बार चुनाव लड़ चुके हैं , पहली बार सपा से स्वयं लड़े थे और दूसरी बार पिछले चुनाव में उनकी पत्नी ने चुनाव लड़ा था और दोनों ही बार शहर के सभी डॉ और दवा व्यवसायी जी-जान से प्रचार में लगे रहे लेकिन रायबरेली नगर पालिका क्षेत्र की जनता ने दोनों ही बार डॉ0 परिवार के प्रत्याशियों को नकार दिया था। ऐसे में इस बार फिर भाजपा द्वारा डॉ0 परिवार के सदस्य को टिकट देना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार लेने जैसा है। ऊपर से पार्टी के आम कार्यकर्ताओं की नाराजगी और नुकसान कर रही है। टिकट तो जुगाड़ से लाया जा सकता है लेकिन बिना कार्यकर्ताओं के सहयोग से चुनाव नहीं जीता जा सकता है। कार्यकर्ता ही नहीं, पार्टी के दो बड़े नेताओं में भी खींचतान है, माना यह जा रहा है कि एक नेता ने डॉ की पत्नी को टिकट दिलावाया है जिससे दूसरे नेता नाखुश हैं, चुनाव के शुरुआत में दोनों बड़े नेताओं की फोटो होर्डिंग बैनर में ना दिखना भी बहुत कुछ बयान कर रहा है फिर नामांकन के एक दिन पहले पार्टी की एक माननीय द्वारा एक जनप्रतिनिधि को बेज्जत करते हुए फटकार लगाने की चर्चा भी जोरों पर है। पार्टी का क्लेश तब खुल कर सामने आया जब एक माननीय ने प्रदेश कार्यकारणी की महिला नेत्री को नामांकन के समय बेज्जत कर दिया, जिसके बाद नेत्री सबके सामने रोने लगी और उनका रोता हुआ वीडियो मीडिया व सोशल मीडिया के लिए बड़ा मसाला बन गया था। नाम ना छापने की शर्त पर एक कार्यकर्ता ने बताया कि आपसी खींचतान और कमीशनखोर लोगों के चुनावी संचालन के चलते चुनाव हवा हवाई है जमीन पर कोई माहौल नहीं बन पा रहा है। डॉ0 साहब की पत्नी टिकट जरूर पा गयी है, डॉ0 साहब सामान्य बुखार में जेनरिक कंपनी की मँहगी एसिक्लो पैरा के साथ विभिन्न जाँच करवा कर अधिक कमाई करने के भले ही माहिर हों लेकिन उन्हें यह समझ नहीं है कि चुनाव कोई मरीज नहीं है और वोट पाना किसी मरीज के इलाज में कमाई करने जैसा नहीं है। बस उनकी यही नासमझी पार्टी का चुनाव में बंटाधार करवा सकती है। अब देखना यह है कि मरीजों का इलाज करने वाले डॉ साहब अपनी पत्नी के बीमार चुनाव को अच्छा बनाने के लिए कौन सा एंटीबायोटिक देते हैं।

एयू के छात्र को पीटा, एफआईआर दर्ज

संवाददाता, प्रयागराज। इलाहबाद विश्वविधालय के विधि विभाग में अध्ययनरत छात्र को दबंगों ने बीते शुक्रवार को पिटाई कर दी। प्रयागराज के रामप्रिया रोड, छोटा बघाड़ा स्थित उपाध्याय लाज में रहने वाले पीड़ित छात्र विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि 14 अप्रैल की सुबह जब म नहा रहा था तो मेरे कमरे के सामने लाज में रहने वाले रहमत अली नामक लड़के ने पहले उसे नहाने देने के लिए बोला। चूंकि मैं पहले से नहा रहा था तो मैंने हटने से मना कर दिया जिसके बाद रहमत अली ने देख लेने की बात कहते हुए वहां से निकल गया। फिर शाम को करीब 9 बजे रहमत अली और मोहन अपने अन्य छह साथियों के साथ जबर दस्ती कमरे में घुस आया और कट्टा दिखाते हुए पिटाई की। विनोद ने बताया कि मामले को लेकर कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज करा दिया गया है।

थाना प्रभारी राम मनोहर रॉय ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है। इसके बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी।

हड़ताल : सज़ासद को नाली-कूड़ा सफाई करनी पड़ी

रमजान और परशुराम जयंती के चलते हड़ताल समाप्त

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

भरथना, इटावा। भरथना नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मियों की बीते चार दिनों से चल रही काम बन्द हड़ताल के कारण भरथना नगर की गली मोहल्ले, सड़कें नाला-नालियां जहाँ दुर्गन्ध भरी गन्दगी में जी रहे थे वहीं पवित्र माह रमजान के चलते मुस्लिम बस्तियों में सैकड़ों रोजेदारो को अपना रोजा रखने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जबकि शुक्रवार को अलविदा की महत्वपूर्ण नमाज भी सम्पन्न हुई थी। साथ ही आगामी दिनों परसुराम जयन्ती भी थी, जिसको लेकर जवाहर रोड स्टेशन रोड के वार्ड सभासद निहालुद्दीन ने मजबूर होकर मुस्लिम बस्ती अनवरगंज में रोजेदारों को सुविधा जनक रोजा कराने को खुद ही सफाई कर्मियों की झाड़ू खोंचा और फावड़ा उठा लिया, और अनवरगंज मोहल्ला की सभी नालियां-गलियां सहित मुख्य चौक झाड़ू लगाकर साफकर दिया। सभासद निहालुद्दीन की इस समाज सेवा का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हालांकि सभासद के इस प्रयास के कुछ देर बाद नगर पालिका सफाई कर्मचारियों की अधिकारियों से हुई सुलह के उपरान्त हड़ताल समाप्त हो गई है। चार दिन की हड़ताल के बाद अब पांच वें दिन शुक्रवार को सफाई कर्मचारी अपने काम पर विधिवत लौट रहे हैं। रमजान के माह कल शुक्रवार को होने वाली जुमा अलविदा की नमाज अब साफसफाई के बीच सम्पन्न होगी।

मालश्री मिश्र ने पर्चा वापस लेकर भाजपा को चुनाव लड़ाने का किया एलान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई । शाहाबाद भाजपा से नगर पालिका अध्यक्ष का टिकट न मिलने से बागी तेवर अपनाए राजेंद्र मिश्र ने क्षेत्रीय विधायिका भाजपा जिला अध्यक्ष व अन्य गठित कमेटी के नेताओं की मनौव्वल के बाद अपनी पत्नी मॉल श्री मिश्र का नामांकन वापस ले लिया है। नामांकन वापसी के बाद चुनावी हलचल तेज होने लगी है। अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किये गए कुल 13 लोगों में से 5 लोगों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। चुनावी अखाड़े में अब निर्दलीयों सहित कुल 8 लोग मैदान में ताल ठोक रहे हैं। वैसे तो मुख्य मुकाबला अब भाजपा ओर सपा के बीच सिमटता जा रहा है।बतातें चलें कि भाजपा से टिकट मांगने वालों कई लोगों ने पर्चा दाखिल किया था। जिसमें से राजेन्द्र प्रसाद मिश्र की पत्नी माल श्री सहित 5 लोगो ने पर्चे वापस ले लिये।नाम वापसी के अंतिम दिन रूठों को मनाने के लिए गठित टीम की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी पीके वर्मा सहित जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र सहित अन्य नेताओं ने राजेन्द्र मिश्र के घर जाकर उनका नामांकन वापस करा दिया। इसके अलावा निर्दलीय मधु मिश्रा, आसिफखां बब्बू सहित 5 लोगों ने अपने पर्चे वापस ले लिये हैं आगामी 4 मई को होने वाले निकाय चुनाव के लिए रणनीति बनाने में जुटे भाजपा प्रत्याशी संजय मिश्रा उर्फ बबलू ने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय डॉक्टर रामनाथ मिश्र का पूरा जीवन लोगों की सेवा में गुजरा हैं। उनके बाबा स्वर्गीय डॉक्टर प्यारेलाल मिश्र ने जनसंघ के विधायक रहते कई ऐतिहासिक कार्य किये है। क्योंकि लोगों को उनके पूर्वजों जैसी उनसे उम्मीद है। उन्हें लगता है कि कहीं न कहीं उनके परिवार से लोगों को बड़ी उम्मीदें हैं। पहली बार चुनाव लड़ने के सबाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें हर

वर्ग का समर्थन मिल रहा है। लोग उनके पूर्वजों के कार्यों को लेकर उन्हें समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में व्यक्तित्व, व्यवहार और व्यक्तिगत रूप से लोगों का भी समर्थन हासिल है।

एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

ऊँचाहार, रायबरेली। ईद त्योहार को सकुशल संपन्न कराने को लेकर कोतवाली परिसर में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई ,जिसमें सकुशल त्योहार को सम्पन्न कराने को लेकर सबसे अपील की गई। एसडीएम सिदार्थ चौधरी ने बैठक में मौजूद मौलाना व संभ्रांत लोगों से ईद त्योहार को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की, इसके अलावा चिन्हित स्थानों पर नमाज अदा करने की बात कही गई, और सार्वजनिक स्थान पर नमाज न अदा करने को लेकर सभी से अपील की गई, वहीं बैठक में मौजूद अधिशासी अधिकारी निखलेश मिश्र को त्योहार पर साफसफाई करवाने को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिये गए। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने कहा कि अगर त्योहार पर किसी के द्वारा शांति व्यवस्था में खलल डालने का प्रयास किया जाएगा तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस मौके पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक मिठाई लाल,प्रधान धनराज यादव,प्रधान नरेंद्र यादव, प्रधान अनुज शुक्ल, जयकृष्ण जायसवाल, सुधीर गुप्ता,प्रधान अंकित द्विवेदी, मो शाहिद उर्फ राजू,मेहंदी हसन, प्रधान विजय विश्वकर्मा,अमर पाल यादव,अनुज उपाध्याय, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, राजकुमार मौर्या, समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पड़ोसी युवक ने की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे बाबू मजरे डोमापुर गांव में चारपाई पर सो रहे एक युवक की गांव के पड़ोसी युवक ने कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद युवक अपनी बाइक से फरार हो गया। ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य संकलन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।हत्यारोपी युवक की तलाश में जुटी पुलिस परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के पूरे बाबू मजरे डोमापुर गांव में बुधवार की रात साढ़े दस बजे के करीब तेज आवाज में चिल्लाने की आवाज सुनकर नींद से जागे ग्रामीणों ने गांव के दिनेश कुमार पुत्र रामचंद्र को चिल्लाते हुए सुना कि मैंने केमल की हत्या कर दी। ऐसी चिल्लाने की आवाज पर आस पास के ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचते दिनेश अपनी बाइक से फरार हो गया। ग्रामीणों ने गांव निवासी रामकेमल 44 पुत्र ननकू की चारपाई के पास जाकर देखा तो वह चारपाई पर लहूलुहान पड़ा था,गले व चेहरे पर कुल्हाड़ी से कई वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।ग्राम प्रधान राजकुमार ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य संकलन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।ग्रामीणों के अनुसार रामकेवल का अपनी पत्नी का काफी पहले संबंध विच्छेद हो चुका है।छोटा भाई रामनरेश रोजी रोटी के लिए परिवार सहित दिल्ली में रहता है। वह घर पर अकेला ही रहता था। बुधवार की शाम मृतक रामकेवल, हत्यारोपी युवक दिनेश, राजेश, मनोज व फूलचंद कोतवाली क्षेत्र के पूरे चिरैंधा मजरे अंदूपुर गांव निवासी बृजेश के यहां गेहूं मड़ाई के बाद साथ में शराब का सेवन किया और अपने अपने घर चले आए। उसके बाद ही हत्यारोपी युवक ने घटना को अंजाम दिया।प्रभारी निरीक्षक श्याम कुमार पाल ने बताया कि हत्यारोपी युवक फरार है, तलाश की जा रही है। जल्द ही युवक को गिरफ्तार कर घटना का अनावरण किया जाएगा।

गेंहू की तैयार फसल में लगी भीषण आग

भरथना,इटावा। भरथना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लहरोई में गुरुवार की शाम एक किसान की पकी तैयार खड़ी गेंहू की फसल में अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लग गई। खेत मे भीषण आग की लपटें देख क्षेत्र के किसानों में हाहाकार मच गया। जिसकी सूचना पर मौके पर पहुँची दमकल ने ग्रामीण किसानों के सहयोग से बमुश्किल आग पर काबू पाया। अग्नि पीड़ित राजवीर सिंह पुत्र दलेल सिंह ग्राम लहरोई ने बताया गुरुवार की शाम करीब पौने 5 बजे अज्ञात कारणों से उसके गेंहू के खेत मे भीषण आग लग गई,जिसमें उसकी करीब ढाई बीघा गेंहू की पकी तैयार खड़ी फसल जल कर राख हो गई।

कोविड गाइड लाइन के नियमों का करें अनुपालन- जिलाधिकारी

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर/जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा कोविड-19 के तेजी से बढ़ते प्रभाव के दृष्टिगत जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा गया कि कोविड गाइड लाइन के नियमों का अनुपालन किया जाय तथा सभी व्यक्ति भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, मास्क, सेनेटाइजर का प्रयोग, हस्तप्रक्षालन नियमित रूप से करें। उन्होंने कहा कि खाँसी, जुकाम इत्यादि की स्थिति में कोविड टेस्ट जरूर करायें। उन्होंने जनपदवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत हमारी सभी तैयारियाँ पूर्ण हैं। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा सभी तैयारियाँ पहले से ही कर ली गयी हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मरीजों के लिये एल-1 के 07 चिकित्सालय एवं एल-2 के 02 चिकित्सालय, जिनमें क्रमश: 470 एवं 110 बेड आरक्षित हैं। ट्रामा सेन्टर सुलतानपुर में 12 बेड वेन्टीलेटर युक्त तथा 38 एच.डी.यू.के. है। जनपद पीकू जिला महिला चिकित्सालय में 08 बेड वेन्टीलेटर युक्त है। जनपद में सभी चिकित्सालयों में ऑक्सीजन सिलेण्डर, ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर एवं आवश्यक दवायें उपलब्ध है। ऑक्सीजन सिलेण्डर बी0 टाइप 500, जम्बो ऑक्सीजन सिलेण्डर 440 एवं ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर 744 उपलब्ध है, सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षित हैं। जनपद में 07 स्थानों पर ऑक्सजीन प्लांट लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 के 13 केस जनपद में रिपोर्ट किये गये हैं, जिनमें से 10 केस एक्टिव हैं, एक्टिव केस में से 06 होम आइसोलेशन व 02 अन्य जनपद में तथा 02 केस अन्य चिकित्सालय में भर्ती हैं। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि हमारी सभी तैयारियाँ पूरी हैं किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिये हम तैयार हैं।

बढ़ती गर्मी व आगामी त्यौहार के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर/शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा गुरूवार को हीटवेब-बढ़ती गर्मी व आगामी त्यौहार के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाये रखने हेतु विद्युत भण्डारण केन्द्र सुलतानपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा स्टोर रूम, विद्युत ट्रांसफार्मर मरम्मत कक्ष, बिजली घर सहित आदि का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा विद्युत परिवर्तक (ट्रांसफार्मर) मरम्मत कार्यशाला निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता से कार्यशाला के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। उन्होंने ट्रांसफार्मर रिपेयर की प्रक्रिया के बारे में सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता से पूंछ-तॉछ की। सहायक अभियन्ता विद्युत कार्यशाला उप खण्ड सुलतानपुर मनोज कुमार यादव द्वारा बताया गया कि कार्यशाला में विभिन्न क्षमता के कुल 156 ट्रांसफार्मर रिपेयर होकर तैयार रखे हुए हैं, इन्हें जहाँ भी जरूरत पड़ेगी वहां आवश्यकतानुसार भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कार्यशाला में कुल-113 ट्रांसफार्मरों का मरम्मत किया जा रहा है इन्हें जल्द ही ठीक कर लिया जायेगा। कार्यशाला में 02 अवर अभियन्ता, 02 टेक्निशियन व कुछ संविदा कर्मी कार्य करते हुए पाये गये। जिलाधिकारी द्वारा विद्युत भण्डारण केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भण्डारण गृह में कुल-78 ट्रांसफार्मर रिजर्व में रखे हुए पाये गये। इसी प्रकार भण्डारण गृह में तार, खम्भे, लाइन मैटेरियल काफी मात्रा में मौजूद पाया गया। अधीक्षण अभियन्ता सुलतानपुर राकेश प्रसाद द्वारा बताया गया कि भण्डारण गृह से जिस भी विद्युत सब स्टेशन को या कहीं भी किसी विद्युत सम्बन्धी सामग्री की जरूरत पड़ती है, तो यहाँ से उपलब्ध कराया जाता है। यह सभी चीजें ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से उपलब्ध करायी जाती हैं। जिलाधिकारी द्वारा 132 के.वी.ए. सप्लाई केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया, जहां पर 225 के.वी.ए. व 400 के.वी.ए. क्षमता के ट्रांसफार्मर लगे पाये गये। जिलाधिकारी द्वारा सभी सम्बन्धित अभियन्ताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने-अपने

विभाग से सम्बन्धित तैयारियों को पहले से ही चुस्त दुरूस्त रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में विद्युत आपूर्ति को बहाल रखा जा सके। उन्होंने आगामी त्यौहार के दृष्टिगत व बढ़ती गर्मी के कारण विद्युत खपत में वृद्धि के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारियों पहले से करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता सुलतानपुर राकेश प्रसाद, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम गौरव तिवारी, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 धीरेन्द्र कुमार, अधिशाषी अभियन्ता परीक्षण एवं मीटर आशीष तोमर, सहायक अभियन्ता विद्युत कार्यशाला उप खण्ड सुलतानपुर मनोज कुमार यादव, सहायक अभियन्ता मरम्मत कार्यशाला सचिन गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन-हर घर जल योजना का किया निरीक्षण

संवाददाता महेवा, इटावा। इटावा के जिलाधिकारी अवनीश राय ने गुरुवार को ग्राम कीरतपुर में पहुंचकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया,साथ ही संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए,इस मौके पर अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश सिंह एसडीएम भरथना कुमार सत्यम जीत सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। महेवा विकास खंड क्षेत्र के गांव कीरतपुर में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजना के कार्य का औचक निरीक्षण करने जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय व अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे वहीं निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के निराकरण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

महराजगंज, रायबरेली। अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए , दोनो घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल लाया गया जहां से चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख दोनो को जिला अस्पताल भेज दिया। घटना क्षेत्र के राघवपुर गांव के पास की है जहां पर राघवपुर निवासी दीपक (18) पुत्र मुकेश व टांडा हरचंदपुर निवासी प्रमोद कुमार (22) पुत्र सोहन लाल को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनो के सिर में गंभीर चोटें आई । राहगीरों की मदद से एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया । जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बुजुर्ग ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा चौकी के अंतर्गत भुआपुर बड़ागांव मजरे जेतुआ टप्पा मे एक बुजुर्ग ने फाँसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।घटना बुधवार की रात्रि की बताई जा रही है।कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार मंशाराम श्रीवास्तव पुत्र दुर्गाप्रसाद (62)वर्ष 2 वर्ष पूर्व खनिज विभाग से रिटायर हुए थे। गुरुवार को सुबह बहू विनीता चाय देने जब उनके कमरे गई तो दरवाजा नहीं खुला। परिजनों ने दूसरा दरवाजा खोल कर देखा तो दंग रह गए क्यों कि मंशा राम साड़ी के फंदे से लटक रहे थे। यह देख कर परिजनों मे हड़कम्प मच गया । आनन फानन मे मंशा राम के पुत्र आशीष श्रीवास्तव ने साड़ी काट कर उन्हें नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी।कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला ने पति पर प्रताड़ित करने व मारपीट कर घर से भगाने का लगाया आरोप

ऊँचाहार, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के भागीपुर निवासी महिला ने पति पर प्रताड़ित करने व मारपीट कर घर से भगाने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। गाँव निवासी महिला संगीता देवी का कहना है कि आये दिन उसके पति द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाता है और उनके पति ने उसे मारपीट कर घर से भगा दिया है। गुरुवार को पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि तहरीर मिली है उभय पक्षों को बुलाकर मामले के निस्तारण कराया जायेगा।

प्रशासन का अमानवीय चेहरा आया सामने, कूड़े के ढेर के साथ भर लिए मृत गौवंश

हरदोई। नगर पालिका प्रशासन का अमानवीय चेहरा आया सामने,मृत गौवंश को कूड़े के ढेर के साथ भरने का वीडियो वायरल हो रहा है मुख्यमंत्री के गौवंशों के रख रखाव के लिए प्रशासन को जहां सख्त निर्देश दिए गए वही प्रशासन कर रहा है अनदेखा कूड़े के ढेर के साथ मृत गौवंश को ले जाना एक आमानवीय कृत्य की जनता ने भर्त्सना की है जनता में भारी रोष व्याप्त हो रहा है जिला अस्पताल के पास का है मामला।

नगर पालिका अध्यक्ष पद हेतु खुला कार्यालय

जौनपुर। नगर के रामलीला भवन चौक पर नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्रीय कार्यालय उद्घाटन मंत्री गिरीश चन्द्र यादव विधायक रमेश सिंह जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने वैदिक रीति से पूजा पाठ कर किया गया। पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह पूर्व विधायक बाके लाल सोनकर साथ रहें। उद्घाटन के पूर्व कार्यकर्ताओं की बैठक कर मंत्री ने जीत का मंत्र दिया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी निवर्तमान अध्यक्ष गीता जायसवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, मंडल अध्यक्ष सुनील अग्रहरि टप्पू, जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव, निकाय चुनाव प्रभारी अरुण सिंह, चिंताहरन शर्मा, अमित त्रिपाठी, भाजपा नेता बेचन सिंह, महेन्द्र जायसवाल, मनोज पाण्डेय, मंटू चौरसिया आदि मौजूद रहे।

उच्च न्यायालय ने हरदोई समेत कई जिले के न्यायिक अधिकारियों के किए तबादले

हरदोई। उच्च न्यायालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जनपद में तैनात चले कई सीनियर एवं जूनियर डिविजन रैंक के न्यायिक अधिकारियों का तबादला गैर जनपद के लिए किया गया है। वहीं गैर जनपद से कई न्यायिक अधिकारियों को यहां भेजा गया है। जनपद लखनऊ से अपर जिला जज भगीरथ वर्मा का हरदोई स्थानांतरण किया गया है। जनपद में तैनात चले आ रहे सिविल जज सीनियर डिविजन कैडर में संजय कुमार गोंड को बलिया तथा सतेन्द्र सिंह वर्मा को हापुड़ भेजा गया है। इसी प्रकार जूनियर डिविजन कैडर में हरदोई से अंकिता सिंह को फैजाबाद, स्वेता को फतेहपुर, वैशाली सिंह को आजमगढ़, रिचा शुक्ला को गौतमबुद्ध नगर तथा अनुज सिंह को फैजाबाद भेजा गया है।

चोरों के हौंसले बुलंद, थाने के गेट पर खड़ी फरियादी की बाइक चोरी

थाने से बाइक चोरी की घटना पुलिसिया कार्यशैली पर सवालिया निशान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। पुलिस का इस्तकबाल बदमाशों के लिए बेमानी है। हौसला बुलंद चोर थाना गेट पर खड़ी एक फरियादी की बाइक को उड़ा ले गए। फरियादी जब बाहर आया तो बाइक नदारद देख उसके होश उड़ गए। घटना की खबर से पुलिस सन्न रह गई। हालांकि क्षेत्र में कई चोरी की वारदात हो चुकी हैं। लेकिन पुलिस की नाक के नीचे बाइक की चोरी पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।गुरुवार को ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गांव मुरार मऊ निवासी रतिपाल पुत्र ननकऊ किसी मामले को लेकर कोतवाली में फरियाद लेकर आया था। उसने अपनी बाइक कोतवाली गेट के बाहर खड़ी की थी। जब पुलिस को शिकायती पत्र देकर कुछ समय बाद वापस आया तो गेट के बाहर खड़ी बाइक गायब थी। आस पास खोजबीन के बाद बाइक नहीं मिली तो उसके होश उड़ गए। किसी ने उसकी बाइक पार कर दी थी। थाना गेट से फरियादी की बाइक चोरी होने की घटना के आम होने की खबर से पुलिस कर्मियों की भी सांसें हलक में अटक गई। लेकिन सवाल तो तब खड़े हो गए कि ऊंचाहार कोतवाली के बाहर लगी सीसीटीवी कैमरे को भी चकमा देकर चोरों ने पुलिस को भी मानो चुनौती पेश कर दी है। इससे पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। बहरहाल पुलिस ने फरयादी को आश्वासन देकर मामले को दबाने की कोशिश की है। इस घटना से लोगों में बाइक की सुरक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर पुलिस को देकर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गुहार लगाई है। इस बाबत कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शांतिपूर्वक मनाएं ईद का त्यौहार सुरेश मिश्रा सीओ सिटी

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर।जनपद के थाना संम्मनपुर परिसर में अलविदा जुमे की नमाज ईद उल फित्तर ईद त्यौहार को लेकर कल देर शाम 9रू00 बजे थाना परिसर में सीओ सिटी सुरेश मिश्रा प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह की मौजूदगी में मुस्लिम धर्म के गुरु के साथ बैठक हुई बैठक को संबोधित करते हुए सीओ सिटी सुरेश मिश्रा ने कहा आपस में भाईचारे की तरह एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई देंगे और जहां नमाज होती हुई होगी अफवाह पर ध्यान ना देंगे वहीं मौजूद सिकंदरपुर गांव के अहमद रजा ने कहा कि जल निगम का पाइप लाइन जो गांव सिकंदरपुर में गया है वह हर जहां गड्ढा खोदा गया है जिससे कि आने जाने वाले लोगों को दिक्कत होगी जिस पर सीओ सिटी सुरेश मिश्रा ने कहा कि जल्द ही उसका भी निस्तारण किया जाएगा पूर्व प्रधान रुस्तमपुर अशरफपट्टी हसन अब्बास ने कहा कि आज तक मस्जिद के पास कोई साफसफाई नहीं करता गंदगी से भरी हुई मस्जिद किनारे पीछे कूड़ा एकदम पड़ा रहता है नाली एकदम भरी रहती है गांव में रोड किनारे कूड़ा पड़ा रहता है आज तक कभी जमादार नजर नहीं थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी ने कहा कि शांतिपूर्वक ईद का त्यौहार मनाए और कोई भी व्यक्ति अफवाह पर ध्यान न दे सिंह ने कहा यदि किसी को समस्या हो तत्काल हमको अवगत कराएंगे और हर पॉइंट पर हमारी बीट के सिपाही मौजूद रहेंगे अंत में कोतवाल संम्मनपुर दीपक सिंह रघुवंशी ने सभी को धन्यवाद दिया और सभी से निवेदन किया कि एक साथ मिलकर ईद उल फित्तर ईद का त्यौहार मनाए और एक दूसरे को बधाई दें कोतवाल संम्मनपुर दीपक सिंह रघुवंशी ने कहा कि संम्मनपुर पुलिस आपके साथ हमेशा 24 घंटे तैयार है इस मौके पर ग्राम प्रधान सिकंदरपुर मोहम्मद नसीम गुड्डू अहमद रजा पूर्व प्रधान रुस्तमपुर हसन अब्बास अच्छन राजू आमिर सुरूर परवेज मोहम्मद रजा हैदर मोहम्मद शफीक उपनिरीक्षक संजय सिंह उपनिरीक्षक तारा सिंह पटेल हेड कांस्टेबल पवन यादव के के सिंह विवेक यादव पंकज मौर्या दीवान धर्मेंद्र शुक्ला आदि पुलिसकर्मी मौजूद थेस

अधूरा पड़ा कप्तागंज थाने के सामुदायिक शौचालय का निर्माण , स्वच्छ भारत मिशन को जिम्मेदार लगा रहे पलीता

आठ लाख पचाने की जुगत में जिम्मेदार , प्रशासनिक अमला मौन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बस्ती। कप्तानगंज विकास खण्ड के अन्तर्गत स्थित थाना परिसर कप्तानगंज में निर्माणाधीन शौचालय दो ब्लाक प्रमुखों के बीच राजनैतिक शिकार हो गया है जिम्मेदार अपना कमीशन मिल जाने से तमाशगीर बने हुए हैं जबकि सरकार स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर पानी की तरह पैसा बहा रही है फिर भी कप्तानगंज में स्वच्छ भारत की सरकारी मंशा फ्लाप दिख रही है । मिली जानकारी के अनुसार कप्तानगंज थाना परिसर में थाना के मुख्य गेट के पश्चिम तरफ बने शौचालय का कार्य दो ब्लाक प्रमुखों के बीच अधर में फँसा हुआ है । इस शौचालय का निर्माण कार्य कप्तानगंज विकास खण्ड के पूर्व ब्लाक प्रमुख के कार्यकाल में शुरु हुआ था उनका कार्य काल समाप्त भी हो गया नए ब्लाक प्रमुख का चुनाव भी हो गया परन्तु शौचालय का निर्माण पूरा नहीं हो सका। सूत्रों की मानें तो निर्माण का ज्यादातर धन खर्च हो चुका है जिसके कारण निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है । नियमों की यदि बात करें तो निर्माण कार्य क्यों अधूरा है जिम्मेदार अधिकारी के स्तर से इसकी सभी बिन्दुओं पर समीक्षा की जानी चाहिए यदि निर्माण कार्य न्यायालयी कारणों से लंबित है तो स्थल चयन करने वालों से व्यय धन की रिकवरी की जानी चाहिए वहीं दूसरी तरफ यदि निर्माण कार्य धन निकलने के बाद भी फँसा है तो सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही करके निर्माण कार्य पूरा कराया जाना चाहिए परन्तु इस शौचालय निर्माण के जिम्मेदारों की चुप्पी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि साहब कुछ तो गड़बड़ है ।इस सम्बंध में जानकारी लेने के लिए जब संवाददाता ने बी0डी0ओ0 कप्तानगंज से बात किया तो उन्होंने बताया कि शौचालय नगर पंचायत की सीमा के अन्तर्गत आ गया है वह हमारे कार्य दायरे से बाहर हो गया है नगर पंचायत चाहे तो निर्माण पूरा कराए वही नगर पंचायत कप्तानगंज के ई0ओ 0से फोन के माध्यम से प्रकरण की जानकारी लेना चाहा तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ ।

प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के अथक प्रयास से विद्यालय की बदलती तस्वीर

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

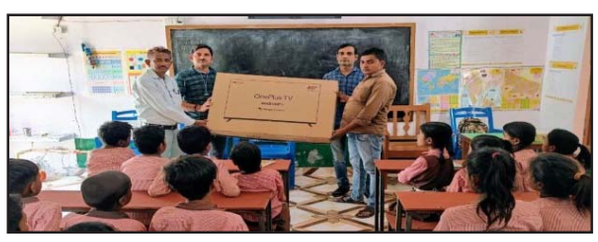

बस्ती । जनपद के साऊँघाट ब्लॉक के एआरपी राकेश कुमार पांडे और प्राथमिक विद्यालय भीटारामसेन प्रधानाध्यापक महफुजुर्रहमान, शिक्षकों ने ग्राम प्रधान एवं समुदाय के सहयोग की एक मुहिम ने परिषदीय विद्यालय को कान्वेंट स्कूल के समकक्ष लाकर खड़ा कर दिया है।विद्यालय की संरचना पूरी तरह से बदल रही है। एआरपी द्वारा चयनित निपुण विद्यालय के रूप विकसित किए जाने में ए आर पी और शिक्षकों के सहयोग से युवा ग्राम प्रधान पंकज कुमार द्वारा कक्षा कक्ष को स्मार्ट क्लास में परिवर्तित करने की दिशा में लिए एक वनप्लस टीवी' विद्यालय को दिया है जिससे प्रतिदिन बच्चे विभाग द्वारा प्रेषित ऑनलाइन गतिविधियों में बहुत ही मनोरंजक तरीके से प्रतिभाग कर रहे हैं द्य बच्चों को बैठने के लिए डेक्स बेंच देकर अभूतपूर्व सहयोग किया द्य दीवारों पर नए-नए स्लोगन के साथ ही मिशन शक्ति का स्लोगन भी लिखवाया जा रहा है। साथ ही बच्चों को पढ़ने और समझने के लिए दीवारों पर अल्फाबेट सहित तमाम तरह के स्लोगन लिखे गए हैं। सरकारी विद्यालय को आदर्श विद्यालय के तौर पर विकसित किया जा रहा है, ताकि प्राथमिक शिक्षा में और अधिक सुधार लाया जा सके। जिसके लिए लगातार शिक्षा विभाग प्रयासरत है । बता दें कि ग्राम पंचायत भीटारामसेन के ग्राम प्रधान पंकज कुमार ने गांव के प्राथमिक विद्यालय भीटा रामसेन की दशा को बदलने का बीड़ा उठाया। विद्यालय भवन आकर्षक भवन के रूप में तैयार किया जा रहा है और विद्यालय का मेन गेट बहुत ही विशाल और सुंदर लगाया गया है द्य विभाग के सहयोग से विद्यालय परिसर का कायाकल्प का कार्य शुरू करवा दिया गया है। साऊँघाट ब्लॉक के एआरपी ने बताया कि समुदाय के सहयोग से विद्यालय के कायाकल्प की तस्वीर साफतौर से देखी जा सकती है।

अलविदा नमाज, ईद तथा परशुराम जयंती का त्यौहार शान्तिपूर्ण मनाये जाने के लिए जिला शान्ति समिति की बैठक

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बस्ती। अलविदा की नमाज, ईद तथा परशुराम जयंती का त्यौहार शान्तिपूर्ण मनाये जाने के लिए जिला शान्ति समिति की बैठक जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। उन्होने सभी को त्यौहार की बधाई देते हुए अपील किया कि बस्ती जिले की परम्परा के अनुसार लोग इन त्यौहारों को मिलजुल कर आपसी भाईचारा के साथ मनायेंगे। प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगा। उन्होने लोगो से अपील किया कि इस दौरान किसी अफवाह पर ध्यान ना दें तथा किसी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल संबंधित थाने पर डिजिटल वालन्टियर ग्रुप को सूचित कर के उसका समाधान करेंगे। उन्होने सभी उप जिलाधिकारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष को टीम बनाकर निरन्तर भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल भी क्षेत्र में रहेंगे तथा स्थिति पर निगरानी रखेंगे। उन्होने सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में प्रात: से ही साफ-सफाई करायेंगे तथा जलापूर्ति सुनिश्चित करेंगे। उन्होने विद्युत विभाग को निर्देश दिया कि नियमित विद्युत आपूर्ति कराना सुनिश्चित करें, किसी प्रकार का फाल्ट होने पर तत्काल ठीक कराये, विद्युत सब स्टेशनवार तैनात अवर अभियन्ता, लाईनमैन की सूची मोबाइल नम्बर सहित संबंधित एसडीएम और सीओ को उपलब्ध करा दें। बैठक में अधिशासी अभियन्ता हरैया की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण तलब किया है। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने कहा कि शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस बल सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगा। किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल नम्बर-112 या पुलिस कंट्रोल रूम-9454401933 पर सूचित कर सकते है।

टिकट बंटवारे को लेकर सपा में विद्रोह पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री ने दिया इस्तीफा

सवांददाता, अंबेडकरनगर। निकाय चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर जिले समाजवादी पार्टी में घमासान सतह पर आ गया है। वही टिकट ना मिलने से नाराज पूर्व प्रदेश महासचिव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है।टिकट को लेकर पुराने वा नए सपाइयों की लड़ाई उभर चुकी है। पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त विद्यावती राजभर ने आरोप लगाया है पुराने समाजवादी के सिपाहियों कि उपेक्षा कर बसपा से आए हुए चंद दिन में ही एक विधायक के पैरवी पर टिकट देने का काम किया गया और हमसे एक बार भी पार्टी के किसी नेता ने पूछने का भी प्रयास नहीं किया। वहीं 30 वर्षों से जिस तरह पार्टी के हित में त्याग कर बढ़ाने का काम किया गया था वह अब एक छलावा होता साबित हो रहा है। विद्यावती राजभर ने यह भी कहा की पार्टी के मुखिया स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने एक बेटी की तरह सम्मान देते हुए हमारे कद को भी बढ़ाने का काम किया था तो वहीं सपा में नए लोगों के आगे समाजवादी पार्टी जिस तरह अपना जनाधार बढ़ाने काप्रयासपुरानीसमाजवादियों को छोड़कर कर रही है ऐसी स्थिति में सफलता मिलना टेढ़ी खीर साबित होगा।

फन फेयर मेला, दिखेगा लन्दन ब्रिज का नजारा प्रेस वार्ता कर बताया

संवाददाता

कानपुर। मोती झील लॉन में 19 अप्रैल से लन्दन ब्रिज फन फेयर मेले का आयोजन किया जा रहा है । 10 जुलाई तक चलने वाले इस मेले में लंदन ब्रिज की तर्ज पर बना प्रवेश द्वार आकर्षण का केंद्र होगा । पत्रकार वार्ता में मेले के आयोजक सनी गुप्ता और संजीव कुमार ने बताया कि मेले का उद्घाटन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी गिरजा दीदी के द्वारा किया जाएगा जबकि मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा होंगे विशिष्ठ अतिथि के रुप में टीकमचंद सेतिया होंगे। हूबहू विदेशी लंदन ब्रिज की तरह बना गेट सेल्फी प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करेगा । उन्होंने कहा कि यह लंदन ब्रिज दिन के उजाले में जितना खूबसूरत दिखेगा , उससे कहीं ज्यादा 3 लाइट में वह रात को चमकेगा । उन्होंने बताया कि मेले में झूले , हंसी , घर और भूत बंगला लोगों को पसन्द आयेगा ।

मंदिर के बराबर में शराब का ठेका और कैंटीन खोलने को लेकर ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन ने किया विरोध

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के अतर पूराचौराहा के पास प्राचीन गंगा मंदिर के बराबर में बैंक के पास नए शराब का ठेका और कैंटीन ना खुलने को लेकर ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित मुरलीधर शर्मा व जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मिश्रा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री रितु मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा से मिलने जिला कार्यालय पहुंचा जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा से शिकायत करते हुए संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित मुरलीधर शर्मा ने कहा की शराब ठेकेके बराबर मैं बैंक उसके बराबर में मंदिर दूसरी तरफ परिवार रहते है मंदिर में बैंकों में पब्लिक का आना जाना रहता है ठेका में कैंटीन खुलने के कारण यहां पर कोई भी घटना कभी भी हो सकती है वैसे भी यह ठेका डेढ़ सौ मीटर के दायरे में आता है यहां पर उन्होंने ठेका ने खुलने के लिए मांग की जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा सेकी तुरंत आदेश कर उन्हें जिलाआबकारी प्रकाश सिंह जांच कर 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी जिला आबकारी प्रकाश सिंह ने कहां की खुलने वाला ठेका डेढ़ सौ मीटर की दूरी में आता है तो उसे खुलने नहीं दिया जाएगा इसके लिए हमें नाप नपाई भी करनी पड़ी तो हम नपाई करेंगे और सच्चाई सामने लाकर रहेंगे अवसर पर उनके साथ प्रमोद शर्मा अशोक शर्मा राकेश पंडित हेमलता शर्मा मीना शर्मा महेंद्र कुमार संजय शर्मा पंकज कुमार अनिल कुमार जय भगवान गौरव कुमार विकास कुमार नरेश कुमार शर्मा सुजाता समीत उपस्थित रहे।

रात्रि में बन्द घरों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले 02 शातिर अभियुक्तों को थाना किदवई नगर पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया

संवाददाता

कानपुर। कानपुर पुलिस आयुक्त दिशा निर्देशानुसार अपराधियों की धरपकड़ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना किदवई नगर की पुलिस टीम के कुशल नेतृत्व में चार चोरों को पकड़ा गया माल सहित थाना प्रभारी संजय शुक्ला द्वारा बताया गया कि रात्रि में बन्द घरों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले मु0अ0सं0 0073/2023 धारा 380/411/457 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण (1) अभिषेक निषाद पुत्र स्व0 राजेन्द्र निषाद निवासी कच्ची मडैया लक्ष्मणपुरवा बारादेवी थाना किदवई नगर कानपुर नगर उम्र 20 वर्ष (2) सौरभ नागर पुत्र पोटे नागर निवासी 127/515 नटवनटोला जूही बारादेवी थाना किदवई नगर कानपुर नगर उम्र 19 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर चोरी गये माल के सहित गुप्ता चौराहा से गिरफ्तार किये गये जिनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।

सपा ने गढ़मुक्तेश्वर से सोना सिंह व पिलखुवा नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद से प्रत्याशी एडवोकेट बिलाल कुरैशी की घोषणा

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में समाजवादी पार्टी व गठबंधन ने किए प्रत्याशी घोषित। गढ़मुक्तेश्वर व पिलखवा नगर पालिका परिषद से प्रत्याशीयो को दिया सिंबल। वही हापुड़ नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद पर हाईकमान का आदेश अनुसार सस्पेंस रहा बरकरार आपका बता दे कि बुधवार को हापुड़ नगर के पैराडाइज होटल मे सपा राकेश यादव पूर्व महानगर अध्यक्ष, नोएडा) जिला नगर निकाय चुनाव प्रभारी हापुड़ ने पत्रकारों से प्रेस वार्ता करते हुए गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका परिषद से चेयरमैन प्रत्याशी सोना सिंह व पिलखुवा नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद से प्रत्याशी एडवोकेट बिलाल कुरैशी की घोषणा की है वही हापुड जिला निकाय चुनाव प्रभारी ने हापुड़ नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद के प्रत्याशी को लेकर घोषणा नहीं की उच्च पदाधिकारियों को आदेश का पालन करते हुए बना सस्पेंस। वही प्रेस वार्ता करते हुए राकेश यादव ने बताया कि दूसरी पार्टी छोड़कर आने वालो को नहीं मिलेगा टिकट और 21 तारीख को नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

नगर निगम चुनाव में क्षत्रिय महासभा ने किया नीलम हरी सिंह का समर्थन

संवाददाता

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के श्री गजेंद्र सिंह राजावत जी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए होने वाले नगर निकाय चुनाव के बारे में बातचीत की। जिसमें उन्होंने वार्ड संख्या 48 (पार्षद) पद का जिक्र करते हुए बताया कि इस सीट पर लगातार पिछले 20 वर्षों से कांग्रेस पार्टी का पार्षद काबिज है। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी इस सीट पर अपना पार्षद बनाना चाहती है तो भाजपा नेतृत्व एवं संबंधित विधायकों से मेरा आग्रह है कि इस वार्ड से टिकट क्षत्रिय महासभा के प्रमुख सदस्य भाजपा नेता हरिशंकर सिंह (हरिया) की पत्नी भाजपा महिला मोर्चा नेत्री नीलम सिंह को दें। भाजपा नेता हरिशंकर सिंह व उनकी पत्नी नेत्री समाजसेविका नीलम सिंह की कार्यशैली को इस वार्ड की जनता बहुत पसंद करती है। गजेंद्र राजावत जी ने कहा कि यदि किसी भी कारण से भारतीय जनता पार्टी श्रीमती नीलम सिंह को अपनी पार्टी से उम्मीदवार नहीं बनाती है तो क्षत्रिय महासभा उनको निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ाएगी। इस सूरत में सिर्फ वार्ड 48 से ही नहीं बल्कि पूरे महानगर में भाजपा का नुकसान होना तय है। इसलिए कानपुर जिला व क्षेत्रीय भाजपा नेतृत्व से पुन: आग्रह है कि किदवई नगर विधानसभा से एकमात्र क्षत्रिय आवेदक को अपना उम्मीदवार अवश्य बनाएं ताकि पार्षद आपकी पार्टी का बनें और क्षत्रिय समाज नाराज भी न हो सके।

डेढ़ किलो अवैध गांजे के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

शुक्लागंज। उन्नाव पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के आदेश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शाशी शेखर सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को 1 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उ0नि0 रणजीत सिंह मय हमराह फोर्स द्वारा अभियुक्त मयंक उर्फ राजा झा पुत्र स्वरू दिवाकर झा निवासी मिश्रा कालोनी शिवम भारती स्कूल वाली गली थाना गंगाघाट उम्र करीब 28 वर्ष को बियर ठेके के सामने पुराने पुल के नीचे मोहल्ला सीताराम कालोनी चौकी क्षेत्र पश्चिमी से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर धारा 8/20 पंजीकृत किया गया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रणजीत सिह, हे0का0 रविशंकर शर्मा, का0 मनोज पलावत,का0 विकल कुमार रहें।

रज्जू कांग्रेस से निष्कासित

संवाददाता, प्रयागराज। कांग्रेस पार्टी ने आजाद स्क्वायर वार्ड नं 43 से पार्टी पार्षद प्रत्याशी राज कुमार सिंह रज्जू को पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है। यह जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन ने बताया कि रज्जू द्वारा माफिया अतीक से संबंधित बयान से रोके जाने एवं मना करने पर यह कार्यवाही की गयी। मिश्र ने कहा कि रज्जू का उक्त बयान उनका निजी है इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। पार्टी ने अनुशासनात्मक कार्यवाही करते रज्जू की पार्षद उम्मीदवारी वापस ले ली है।

तालाब में डूबकर किसान की मौत

संवाददाता, कन्नौज। जिले के सौरिख थाना क्षेत्र में एक किसान की तालाब में डूबकर मौत हो गई। बताया गया कि कुछ दिन पहले ही उन्होंने मछली पालन के लिए तालाब खुदवाया था। जिसमें नहाने के लिए वह घुसे, लेकिन काफी देर तक जब वह लोगों को नजर नहीं आए तो पानी में उन्हें तलाशा गया। उन्हें अचेत हालत में निकाला गया। घटना सौरिख थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव की है। जहां के रहने वाले 50 वर्षीय संतोष चतुर्वेदी ने कुछ समय पहले ही मछली पालन के लिए गांव के बाहर तालाब खुदवाया था। तालाब में नहाने के लिए वह घर से निकले थे। आसपास काम कर रहे लोगों ने उन्हें तालाब की ओर जाता देखा, लेकिन जब वह काफी देर तक तालाब से बाहर नहीं निकले तो स्थानीय लोग तालाब के पास पहुंच गए और पानी में घुस कर उनकी खोज की। कुछ समय बाद उन्हें बेसुध हालत में तालाब से बाहर निकाला गया।

गठबंधन ने हापुड़ नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद पर आदेश गुड्डू की भाभी को प्रत्याशी किया घोषित

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में नगर निकाय चुनाव का जैसे-जैसे समय नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे ही पार्टीयों ने प्रत्याशियों की घोषणा भी शुरू हो गई है। वहीं बुधवार को उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए आजाद समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव निजाम चौधरी ने रॉयल पैलेस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रीय लोक दल के हापुड़ जिलाध्यक्ष रविंद्र प्रधान के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक दल द्वारा हापुड़ नगर पालिका परिषद की चेयरमैन पद की सीट आजाद समाज पार्टी के खाते में गई है। वही आजाद समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव निजाम चौधरी ने संयुक्त गठबंधन से हापुड़ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर आदेश गुड्डू की भाभी पूजा को संयुक्त गठबंधन प्रत्याशी घोषित कर समाजवादी पार्टी के लोकल पदाधिकारियों पर आजाद समाज पार्टी को बरगलाने का आरोप लगाया है क्योंकि हमारा पूरा उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में सपा,राष्ट्रीय लोक दल व आजाद समाज पार्टी का संयुक्त गठबंधन है यह हापुड़ नगर पालिका की सीट आजाद समाज पार्टी के हिस्से में आई है जनपद हापुड़ के चारों निकायों के लिए 11 मई को चुनाव होंगे जबकि 13 मई को परिणाम घोषित होंगे। प्रेस वार्ता के दौरान आदेश गुड्डू ने कहा कि टक्कर तो अब खत्म हो जाएगी। वही पत्रकारो द्वारा आदेश गुड्डू पर बसपा छोड़ने का कारण जाना तो उन्होंने बसपा पर धनबल का आरोप लगाते हुए ना टिकट देने की बात कही क्योंकि बसपा में सिर्फ धन बल के आधार पर टिकट पाकर लोग चुनाव लड़कर हार कर चले जाते हैं जो जमीनी स्तर पर कार्य करता है उसे बसपा टिकट नहीं देती इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के मेरठ मंडल अध्यक्ष तालिबा चौधरी,हापुड़ जिला सुशील कुमार एडवोकेट के साथ-साथ आदेश कुमार गुड्डू के समर्थक बबली केन, एडवोकेट दिनेश कुमार, योगेंद्र धनोरा वाले, हितेश मोदी व भीम आर्मी जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान कर ही ग्रामों को स्वच्छ बनाया जा सकता है : वीरेंद्र सिंह

117 ग्राम बनेंगे मॉडल, ट्रेनिंग पूरी

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के ग्रामों में सभी प्रकार के अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान कर ही उनको स्वच्छ व स्वास्थ बनाया जा सकता है। यह विचार जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बुधवार को जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी) चल रहे प्रशिक्षण में व्यक्त किए। डीपीआरसी में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत ग्रामों को ओ डी एफ प्लस बनाने के लिए प्रशिक्षण चल रहा है। हापुड जिले के चारों विकास खंडों के ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायक, सफाई कर्मी और खंड प्रेरको का प्रशिक्षण हो गया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के सफल प्रथम चरण पर चर्चा। दूसरे चरण ओ डी एफप्लस को कैसे सफल बनाया जा सकता है इस पर चर्चा की। उन्होंने स्वच्छ प्लान जरूरत के मुताबिक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा की देश महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की लिए बेहतर ढांचा खड़ा करने की जरूरत है। उन्होंने 117 ग्रामों में प्लान बनाकर ओ डी एफ प्लस बनाने पर कार्य शुरू करने के लिए कहा। आज प्रशिक्षण में सिंभावली विकास खंड और गौतम बुध नगर के विसरख ब्लॉक के प्रधान, सफाई कर्मी, पंचायत सहायक मौजूद रहे। प्रशिक्षण देने का कार्य जिला समन्वयक गोपाल राय, इंजीनियर संदीप कुमार और गौरव कुमार ने दिया। सभी अपशिष्ट की पहचान करने और सुरक्षित निपटान के तरीके बताए।

पंडोखर धाम महोत्सव के मंच पर इंस्टाग्राम स्टारों बिखेरा जलवा

❑ बाबू गप्पी, हिना भारती,अश्वी यादव, खुशी वर्मा, रूपाली सिंह, की शानदार प्रस्तुति मंच पर किए गए सम्मानित

संवाददाता

प्रयागराज/दतिया। पंडोखर धाम में चल रहे पंडोखर महोत्सव के मंच पर बीती रात उत्तर प्रदेश के इंस्टाग्राम स्टारों ने अपने जलवे बिखेरे धार्मिक गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति ने पूरे पंडाल को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। वहीं कॉमेडियन बाबू गप्पी ने अपने चुटकुलों से लोगों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया। पंडोखर धाम के पीठाधीश्वर पंडित गुरुशरण शर्मा ने बाबू गप्पी, हिना भारती, खुशी वर्मा, अश्वी यादव, रूपाली सिंह, को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। श्री पंडोखर धाम महोत्सव के विशाल मंच पर लगातार कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इसी कड़ी में कॉमेडियन बाबू गप्पी की कॉमेडी का कार्यक्रम 8 बजे शुरू हुआ। और भोर 3 बजे तक दर्शक इस प्रोग्राम का आनंद लेते रहे। लखीमपुर खीरी की इंस्टाग्राम स्टार खुशी वर्मा, फिरोजाबाद की इंस्टाग्राम स्टार हिना भारती, मैनपुरी की इंस्टाग्राम अश्वी यादव, कानपुर की इंस्टाग्राम स्टार रूपाली सिंह, ने पंडोखर धाम महोत्सव के मंच पर धार्मिक की प्रस्तुति ऐसा शमां बांधा कि दर्शक भोर तक डटे रहे। वहीं आगरा के प्रसिद्ध कॉमेडियन बाबू गप्पी ने अपने चुटकुलों कॉमेडी से दर्शकों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया। बाबू गप्पी व इंस्टाग्राम स्टार के प्रोग्राम को देखने मे लिए हजारों की भीड़ बिभिन्न जिलों से पंडोखर पहुंची थी। यह पहला प्रोग्राम था जिसमे भीड़ ने रिकार्ड तोड़ दिए थे। गांव के लोग टेक्टर की ट्रॉली में बैठकर पूरी रात कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। वही लोग पंडाल की बल्लियों पर बैठे भी देखे गए। भीड़ का आंकड़ा लगभग 30 हजार बताया गया है। इस मौके पर राम जी शर्मा सरपंच पंडोखर धाम,अजेंद्र सिंह गौर, बलदाऊ यादव जनपद अध्यक्ष भांडेर, आकाश भार्गव, बिंदु शर्मा, सोनू शर्मा, मुकेश गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, राम अवतार सोनी, शिवम तिवारी, उमाशंकर देवलिया आचार्य, विपिन विरथरे, कान्हा शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध हथियारों की फैक्ट्री का किया खुलासा

संवाददाता, कन्नौज। पुलिस ने हाल ही में कई अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड किया है। इन खुलासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जनपद में हथियार बनाने का कारोबार बडे स्तर पर चल रहा था। जिस पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस ने ऑपरेशन चलाया और ऐसे मामलों का खुलासा किया। सौरिख पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड करते हुए बडा खुलासा किया है। सौरिख पुलिस ने खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है। जिसमें पुलिस ने मौके से एक बन्दूक, देसी तमंचा और कारतूस बनाने के खोखे और अवैध शस्त्र बनाने में प्रयोग आने वाले सामान को भी पुलिस ने मौके से बरामद किया है। मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना दी गई की सौरिख थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव में नवी अहमद उर्फ मोटा पुत्र कल्लन कुरैशी निवासी मोहद्दीनगर सकरावा थाना सौरिख का रहने वाला अपराधी जो कि पहले से ही जिले में कई थानों में संगीन धाराओं में अपराधी है वह अवैध शस्त्र बनाने का कारोबार कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर अवैध शस्त्र बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड किया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हथियार बनाकर ऑन डिमांड सप्लाई करते थे। जो कि अवैध तमंचा को 3 से 4 हजार में बेचते थे। गिरफ्तार किया गया आरोपी नवी अहमद उर्फ मोटा पुत्र कल्लन कुरैशी निवासी मोहद्दीनगर सकरावा थाना सौरिख जनपद कन्नौज रहने वाला है। जोकि कन्नौज जनपद में आरोपी के ऊपर अलग-अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। वही कन्नौज पुलिस ने हाल ही में एक और अवैध शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा किया है।

चीन ने ताइवान की ओर छोड़ा उपग्रह, उड़ानों में हुई देरी

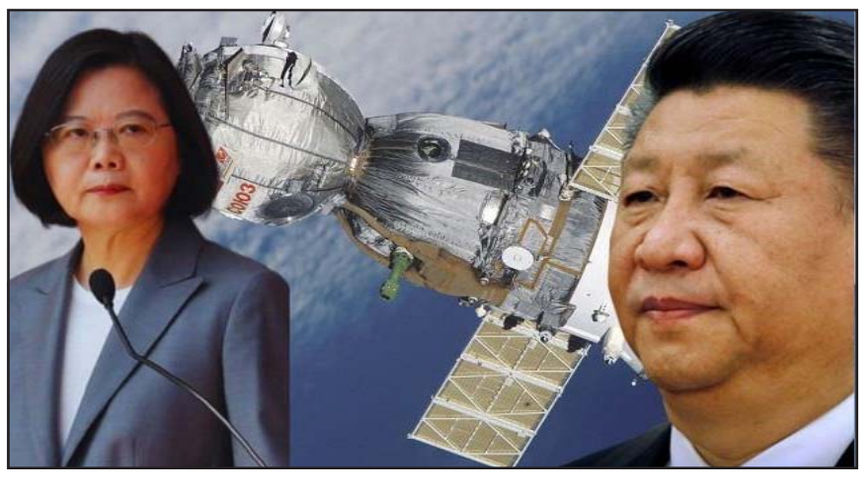

एजेंसी, ताइपे चीन की ओर से उपग्रह छोड़े जाने के कारण उत्तरी ताइपे में उड़ानों में देरी हुई। इस उपग्रह का मलबा राजधानी ताइपे के उत्तरी क्षेत्र में समुद्र में गिरा। इस प्रक्षेपण के पीछे स्पष्ट रूप से कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था, लेकिन यह उपग्रह इस महीने की शुरुआत में ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन की अमेरिका यात्रा के जवाब में चीन की ओर से व्यापक सैन्य अभ्यास के बाद छोड़ा गया है। त्साई ने अमेरिकी यात्रा के दौरान कैलिफॉर्निया में प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी से मुलाकात की थी। पिछले सप्ताह के अंत में तनाव चरम पर था और चीन ने 200 से अधिक बार ताइवान की ओर लड़ाकू विमान भेजे थे, जबकि चीनी नौसेना के जहाजों ने ताइवान के आसपास चक्कर लगाए थे। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और कई बार यह कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह बलपूर्वक ताइवान को अपने क्षेत्र में मिला लेगा। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मीडिया में एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि उसे सुबह नौ बजकर 36 मिनट के आसपास उत्तर-पश्चिमी चीन में जियुकुआन अड्डे से प्रक्षेपण के बारे में पता चला है। बयान में कहा गया है कि उपग्रह ले जा रहे रॉकेट के कुछ हिस्से ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में गिरे, हालांकि उनसे हमारे राष्ट्र के क्षेत्र को कोई खतरा नहीं है। चीन ने पूर्वी चीन सागर क्षेत्र के एक हिस्से से उड़ानों के गुरजने पर 27 मिनट की रोक लगाने की घोषणा की थी, जिसके चलते ताइपे के सोंगशैन हवाई अड्डे से जापान रवाना होने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने रखा बिक्री लक्ष्य

एजेंसी, नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सरकार की तरफ से संचालित सूक्ष्म बीमा योजनाओं पीएमजेजेबीवाई और पीएम एसबीवाई की बिक्री के लिए चालू वित्त वर्ष का एक लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही सार्वजनिक बैंकों ने मुद्रा योजना और स्टैंडअप इंडिया योजना जैसे वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों के लिए भी अपने लक्ष्य तय किए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से कहा है कि वे ग्राहकों को कई वर्ष वाली योजनाएं खरीदने के लिए प्रोत्साहित करें। फिलहाल अधिकतर ग्राहक एक साल की अवधि वाली योजना ही खरीदते हैं और फिर हर साल उनका नवीनीकरण कराते हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत करीब 8.3 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत हैं जबकि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत करीब 23.9 करोड़ लाभार्थी हैं। वर्ष 2015 में इन बीमा योजनाओं की शुरुआत के बाद से मार्च, 2023 तक पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल 15.99 करोड़ पंजीकरण हुए हैं जबकि पीएमएसबीवाई के तहत 33.78 करोड़ लोग शामिल हुए हैं। पिछले साल एक जून से वित्त मंत्रालय ने पीएमजेजेबीवाई के तहत प्रीमियम को 330 रुपये से बढ़ाकर 436 रुपये कर दिया था जबकि पीएमएसबीवाई के मामले में इसे 12 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया गया था। इन सूक्ष्म बीमा योजनाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और दावों की प्रतिपूर्ति को देखते हुए दरें संशोधित की गई थीं। पीएमजेजेबीवाई के तहत 18-50 वर्ष की उम्र वाले खाताधारक की किसी भी स्थिति में मृत्यु होने पर उसके परिजनों को दो लाख रुपये दिए जाते हैं। वहीं पीएमएसबीवाई में दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी विकलांगता होने की स्थिति में दो लाख रुपये और आंशिक रूप से विकलांग होने पर बीमाधारक को एक लाख रुपये देने का प्रावधान करता है। पिछले हफ्ते वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के साथ हुई बैठक में सूक्ष्म बीमा योजनाओं को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया था। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव विवेक जोशी ने इन बैंकों से निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए समयबद्ध प्रयास करने को कहा। सरकार ने इन बीमा योजनाओं के प्रसार में आए ठहराव को दूर करने के लिए एक अप्रैल से एक अभियान शुरू किया है। तीन महीने तक चलने वाले इस अभियान में बैंकों को अपने बैंकिंग प्रतिनिधियों के नेटवर्क का अधिकतम लाभ उठाने का निर्देश दिया गया है।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक शेयरों मे 8,767 करोड़ रुपये डाले

एजेंसी, नयी दिल्ली। विदेशी पोर्ट फोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 8,767 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति को देखते हुए आगे चलकर एफपीआई प्रवाह में उतार-चढ़ाव जारी रहने के आसार हैं। फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे से संकेत मिलता है कि अमेरिकी वित्तीय प्रणाली की स्थिरता में भरोसा करते हुए आगामी मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने तीन से 13 अप्रैल के दौरान भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 8,767 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 7,936 करोड़ रुपये डाले थे। इस राशि में ज्यादातर हिस्सा अडाणी समूह की कंपनियों में अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स से आया था। यदि अडाणी समूह की कंपनियों में आए निवेश को निकाल दिया जाए, तो पिछले महीने में शुद्ध प्रवाह नकारात्मक बैठेगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अप्रैल में अभी तक उभरते बाजारों में एफपीआई के लिए भारत सबसे आकर्षक गंतव्य रहा है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका और यूरोप में बैंकिंग संकट को लेकर चिंता कम होने के बीच वैश्विक परिदृश्य स्थिर हुआ है। इस वजह से भारत में एफपीआई का प्रवाह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारत में शेयरों का मूल्य अब उचित स्तर पर आ गया है, जिसकी वजह से एफपीआई यहां पैसा लगा रहे हैं। एफपीआई ने इससे पहले 2022-23 में भारतीय शेयर बाजारों से 37,631 करोड़ रुपये निकाले थे। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से दरें बढ़ाने के बीच एफपीआई बिकवाल रहे थे। 2021-22 में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1.4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी की थी। वहीं 2020-21 में एफपीआई ने शेयरों में 2.7 लाख करोड़ रुपये और 2019-20 में 6,152 करोड़ रुपये डाले थे। अप्रैल में अब तक एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,085 करोड़ रुपये निकाले हैं।

टाटा स्टील की वित्तीय पैकेज पर ब्रिटेन सरकार से वार्ता अब भी जारी : सीईओ टी वी नरेंद्रन

एजेंसी, नयी दिल्ली। टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने कहा है कि वित्तीय पैकेज के लिए ब्रिटेन सरकार के साथ वार्ता अब भी चल रही है। नरेंद्रन ब्रिटेन से कारोबार से बाहर होने संबंधी एक सवाल का जवाब दे रहे थे। दिल्ली में एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा, ब्रिटेन सरकार से टाटा स्टील अभी भी आग्रह कर रही है। उन्होंने कहा कि आग्रह पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। टाटा स्टील का मुख्यालय भारत में है और वह ब्रिटेन के साउथ वेल्स स्थित पोर्ट तालबोट में देश के सबसे बड़े कारखाने की मालिक है। ब्रिटेन में टाटा स्टील के करीब 8,000 कर्मी कार्यरत हैं। कंपनी ने अपने कार्बन कम करने के कार्यक्रमों के लिए ब्रिटेन सरकार से 1.5 अरब पाउंड की मांग की है। हालांकि इसी वर्ष ब्रिटिश सरकार ने एक दूसरा प्रस्ताव दिया था, जो कंपनी की अपेक्षाओं से बहुत कम था। नरेंद्रन ने कहा कि टाटा स्टील सरकार के सहयोग के बिना यहां अपना भविष्य नहीं देख सकती।

मणिपाल हेल्थ की पांच साल में 12-14 अस्पताल जोड़ने की योजना

एजेंसी, नयी दिल्ली। मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप जोस ने कहा है कि कंपनी की योजना पांच साल में लगभग 4,000 बिस्तर क्षमता के साथ 12-14 अस्पताल जोड़ने की है। सिंगापुर के सॉवरेन संपदा कोष टेमासेक ने हाल ही में मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है। उन्होंने कहा कि कंपनी विस्तार के लिए पुराने अस्पतालों के विस्तार के साथ नए अधिग्रहणों पर विचार कर रही है। कंपनी ने हालांकि इस संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं दी। जोस ने कहा, हमारे पास अब 29 अस्पताल हैं, जिनमें 8,300 बिस्तर हैं। हम पांच साल में 4,000 बिस्तर के साथ 12 से 14 अस्पतालों को जोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। विस्तार के लिए निवेश के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि कंपनी आमतौर पर इसका खुलासा नहीं करती है। उन्होंने कहा, हम अपनी राजस्व क्षमता को लेकर खुश हैं। हमें कोष जोड़ने में समस्या नहीं आएगी।

पाकिस्तान में पेट्रोल 10 रुपये लीटर महंगा हुआ

एजेंसी, इस्लामाबाद। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने पेट्रोल के दाम 10 रुपये लीटर बढ़ा दिए हैं। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे देश में मुद्रा के मूल्य में भारी गिरावट आई है। ऐसे में पहले से आसमान छूती महंगाई से परेशान जनता की दिक्कतें और बढ़ गई हैं। ताजा वृद्धि के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल का दाम अब बढ़कर 282 रुपये लीटर हो गया है। वित्त मंत्री इशाक डार ने देर रात सीधे प्रसारण में कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए कहा कि डीजल और हल्के डीजल तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इनके दाम क्रमश: 293 रुपये और 174.68 रुपये प्रति लीटर रहेंगे। मिट्टी के तेल यानी केरोसिन के दाम भी 5.78 रुपये बढ़कर 186.07 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ''नई कीमतें रविवार (16 अप्रैल) रात 12 बजे से प्रभावी होंगी।'' डार ने स्वीकार किया कि ये संशोधन जरूरी था, क्योंकि पिछले 15 दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़े हैं। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) ने इस महीने की शुरुआत में उत्पादन में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद से कच्चे तेल के दाम बढ़ गए हैं।

पाकिस्तान: बलूचिस्तान में ईद की छुट्टियों में घर लौट रहे 6 पुलिस कर्मियों की हादसे में मौत

एजेंसी, पेशावर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ईद की छुट्टियों में घर लौट रहे छह पुलिसकर्मियों की सड़क हादसे में मौत हो गई। खुजदार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फहद खोसो ने बताया कि बलूचिस्तान प्रांत के वाध इलाके में क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की रात विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही सभी छह पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। समाचार पत्र डॉन ने खोसो के हवाले से बताया, पुलिसकर्मी पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में एक कोर्स करने के बाद ईद के लिए घर लौट रहे थे।ष् वहीं, एक अन्य घटना में, पाकिस्तान के अशांत उत्तर पश्चिमी इलाके में हुई गोलीबारी में दो सैनिक और आठ आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान में एक ठिकाने पर छापेमारी के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। सेना ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) देश की कानून प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ लगातार हमले कर रहे है।

अमेरिकी मंत्री छोटी से मुलाकात में बन गईं पीएम मोदी की फैन

एजेंसी, वॉशिंगटन। विदेशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के किस्से अक्सर सामने आते रहते हैं। लेकिन अब अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने च्ड मोदी की तीरोफों के पुल बांधे हैं। इंडिया हाउस में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए जीना रायमोंडो ने पीएम मोदी के साथ अपनी हालिया बैठक को याद करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति का नेतृत्व करेंगे। मार्च में भारत के दौरे पर आईं रायमोंडो ने कहा कि मैंने संस्कृति, परंपरा और उत्सव के मामले में एक सर्वश्रेष्ठ भारत को देखा था। उनके होली खेलने के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं जो अमेरिका और भारत के मजबूत संबंधों को दिखा रहे थे। उन्होंने कहा, हाल ही में मैं भारत गई थी। मैं एक दिन पहले गई थी ताकि मैं होली खेल पाऊं। रक्षा मंत्री ने अपने परिवार के साथ बहुत प्यार से मेरा स्वागत किया था। रायमोंडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात को याद किया और उन्हें दूरदर्शी बताया।

समुद्री सीमा में घुसी उत्तर कोरियाई गश्ती नौका, द. कोरिया ने गोलीबारी से दिया जवाब

एजेंसी, सियोल। दक्षिण कोरिया ने मछलियां पकड़ने वाली एक चीनी नौका का पीछा करते हुए विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को अस्थायी रूप से पार करने वाली एक उत्तर कोरियाई गश्ती नौका को पीछे हटाने के लिए चेतावनी देने के वास्ते गोलियां चलाईं। दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ्श्' ने कहा कि शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे उत्तर कोरिया की गश्ती नौका ने दक्षिण कोरिया के बाएक्रीओंग द्वीप के पास तथाकथित 'नॉर्दर्न लिमिट लाइन को पार कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरियाई नौसेना के पोत ने चेतावनी देने के लिए गोलीबारी की, जिसके तुरंत बाद उत्तर कोरियाई नौका वापस चली गई। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया की पोतों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी नहीं की, लेकिन तेजी से आ रहा दक्षिण कोरियाई पोत खराब दृश्यता के कारण चीनी नौका से टकरा गया। इसके कारण दक्षिण कोरिया के कुछ नाविकों को चोटें आई हैं। 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर करीबी नजर रख रही है। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच इस समुद्री क्षेत्र में पिछले कुछ साल में घातक संघर्ष भी हुए हैं। दक्षिण कोरिया के एक युद्धपोत पर 2020 में हुए एक हमले के लिए उसने उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया था, लेकिन उत्तर कोरिया ने इससे इनकार किया था। इस हमले में 46 नाविक मारे गए थे।

खाद्य तेल-तिलहनों में गिरावट का रुख

एजेंसी, नयी दिल्ली। सूरजमुखी और सोयाबीन सहित नरम तेलों (सॉफ्ट आयल) के भारी मात्रा में आयात के कारण देश में इन तेलों की भरमार होने की वजह से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सोमवार को लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। सस्ते आयातित तेलों की भरमार को देखते हुए देश में सरसों की आगामी बंपर पैदावार के खपने की चुनौती पैदा हो गई है। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों की भरमार के कारण पहले का सोयाबीन नहीं खप पा रहा है और अब सरसों की भी बंपर पैदावार आने को तैयार है। सस्ते आयातित तेलों से बाजार पटा रहा तो अधिक लागत वाला सोयाबीन और सरसों कौन खरीदेगा। सूत्रों ने कहा कि सरकार को तत्काल शुल्कमुक्त आयात प्रणाली की व्यवस्था को रोकते हुए सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे नरम खाद्य तेलों पर अधिकतम सीमा तक आयात शुल्क लगाना होगा और इसमें देर करना सरसों या तिलहन उत्पादक किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसमें देर करने से स्थिति हाथ से निकल जायेगी और एक बार किसानों को नुकसान पहुंचा तो आगे वे तिलहन खेती से हाथ खींच सकते हैं जो तेल-तिलहन मामले में आत्मनिर्भरता के प्रयासों के खिलाफ जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि सूरजमुखी और सोयाबीन जैसा तेल उच्च आय वर्ग में खाया जाता है इसलिए उनपर कोई विशेष फर्क नहीं आयेगा जबकि कम आयवर्ग को पामोलीन सस्ता मिलता रहेगा। सूत्रों ने कहा कि आगे भी सरकार खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ाने के बारे में फैसला करते समय आयात शुल्क कम या समाप्त करने के बजाय सब्सिडी देकर ऐसे खाद्य तेलों को राशन की दुकानों से वितरित कराये ताकि उपभोक्ताओं को राहत का सीधा फायदा मिल सके जैसा कि 80 के दशक में हुआ करता था। अभी तो वैश्विक कीमतों में गिरावट भी है, सरकार ने शुल्कमुक्त आयात की छूट भी दे रखी है लेकिन उपभोक्ताओं को कम दाम के बजाय खाद्य तेल महंगे में खरीदना पड़ रहा है। इसमें सबसे बड़ी अड़चन खुदरा कारोबार करने वाली कंपनियों द्वारा अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) लगभग 30-70 रुपये तक अधिक छापना है। इसकी आड़ में वैश्विक कीमतों में आई गिरावट का लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा है। इसे नियंत्रित करने की जरूरत है और इसके लिए सरकार को सभी कंपनियों को निर्देश देना चाहिये कि वे सरकारी वेबसाइट पर अपने एमआरपी की नियमित तौर पर घोषणा करें ताकि सभी को तेल के वास्तविक दाम का पता लग सके। सूत्रों ने कहा कि चीन में छुट्टियों के कारण मलेशिया एक्सचेंज दो दिन के लिए बंद है। वहीं शिकॉगो एक्सचेंज फिलहाल आधा प्रतिशत कमजोर है। सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल सस्ते होते हैं, तो खल महंगा होता है जो पशु आहार और दूध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतों पर असर डालते हैं। खल की समुचित प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है कि देशी तेल बाजार में खपें और इसके लिए उपयुक्त वातावरण बनाना होगा।

हरित हाइड्रोजन का दुनिया का केंद्र बनने का लक्ष्य

एजेंसी, गांधीनगर। गुजरात का लक्ष्य अगले 10-12 साल में अनुमानित 80 लाख टन सालाना की क्षमता हासिल कर दुनिया का हरित हाइड्रोजन का केंद्र बनने का है। राज्य के उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने बिजनेस 20 इंडिया की शुरुआती बैठक के तहत 'गुजरात जी20 कनेक्ट' पर पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजपूत ने कहा कि एक ताकत के रूप में गुजरात देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने कहा, ''हमारा 2026-27 तक गुजरात को 500 अरब डॉलर का 2030-32 तक 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है।'' राजपूत ने कहा कि गुजरात का लक्ष्य विशेष रूप से दूरदर्शी नीतियों और वैश्विक एजेंडा के साथ नई पीढ़ी के लिए हरित उत्पादन प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करने का है। उन्होंने कहा, ''अगले 10-12 वर्षों में हमारा लक्ष्य 80 लाख टन सालाना की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता हासिल कर दुनिया का केंद्र बनने का है। यह उर्वरक, इस्पात, रसायन और पेट्रोलियम जैसे ऊर्जा गहन उद्योगों में हरित उत्पादन के को गति देने में मदद करेगा।'' राजपूत ने कहा कि गुजरात पर्यावरण को बचाने और विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, हरित हाइड्रोजन और हरित उत्पादन प्रक्रियाओं को विकसित करने पर जोर दे रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने हाल में कच्छ में 30 गीगावॉट का हरित पार्क स्थापित किया है। गुजरात के पास सौर और हरित ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन को समर्थन देने के लिए पर्याप्त भूमि है।

यूरोपीय संघ के कार्बन कर से मुकाबले के लिए प्रावधान करे भारत : जीटीआरआई

एजेंसी, नयी दिल्ली। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने यूरोपीय संघ (ईयू) के कार्बन कर की चुनौती से निपटने के लिए सरकार से एक जवाबी और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मानकों के अनुरूप व्यवस्था बनाने को कहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने ईयू के कार्बन कर के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार और भारतीय उद्योग जगत को यह सुझाव दिया। यह उसकी 13 सूत्री कार्ययोजना का हिस्सा है। जीटीआरआई ने यह सुझाव भी दिया है कि सरकार कार्बन कर का मुद्दा हल किए बगैर यूरोपीय संघ के साथ किसी भी तरह का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) न करे। यूरोपीय संघ ने इस साल एक अक्टूबर से कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) लागू करने का फैसला किया है। इसके बाद एक जनवरी, 2026 से यूरोपीय संघ के भीतर आने वाले उत्पादों पर 20-35 प्रतिशत की दर से कर लगने लगेगा। इस तरह जनवरी, 2026 से ईयू इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, उर्वरक, हाइड्रोजन एवं बिजली पर कार्बन कर लगाने लगेगा। इसका भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। वर्ष 2022 में ही भारत ने 8.2 अरब डॉलर मूल्य के इस्पात, एल्युमिनियम एवं लौह उत्पाद यूरोपीय संघ को निर्यात किए थे। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''जब अमेरिका ने भारत से इस्पात एवं एल्युमिनियम के आयात पर शुल्क लगाया था तो भारत ने भी अमेरिका से इन उत्पादों के आयात पर उतना ही कर लगा दिया था। भारत को यूरोपीय संघ की कार्बन कर व्यवस्था से मुकाबले के लिए उसी तरह का कदम उठाने के बारे में सोचना होगा।''

पलक तिवारी की फोटो पर इब्राहिम खान ने किया ऐसा कमेंट, जिसके बाद वायरल हो गई पिक्चर

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी और सैफअली खान के लाडले इब्राहिम खान के दोस्ती के किस्से आम बात है लगातार इन दोनों को इवेंट्स में साथ देखा जाता है और दोनों अच्छे दोस्त है। बता दे, पालक तिवारी बतौर एक्ट्रेस पहली बार सीधा सलमान खान के साथ फिल्म में काम करने वाली है। आने वाली 21 अप्रैल ईद के मौके पर ये फिल्म सिनेमा घरो में रिलीज होने को तैयार है। जहा एक तरफ लगातार पालक अपनी खूबसूरत तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती है इसी बीच एक बार फिर हाल ही में एक्ट्रेस ने फिर अपनी ग्लैमरस पिक्चर्स शेयर की हैं. जिसपर सैफके लाडले इब्राहिम का कमेंट काफी चर्चा में बना हुआ है। जहा एक तरफ पालक की पोस्ट पर कई यूजर रिएक्शन दे रहे है वही एक तरफ इन सब से बीच और सबसे हटकर इब्राहिम का रिएक्शन खासा वायरल हो रहा है, बता दे इब्राहिम ने पालक तिवारी के पोस्ट पर तीन कमेंट किए है। इसमे उन्होंने पालक को मनी माउथ इमोजी कमेंट सेक्शन में देकर रियेक्ट किया है। जिसके बाद पलक तिवारी ने भी यलो कलर की डक रिप्लाय की हैं।बता दे हाल ही जब सिद्धार्त कन्नन के साथ एक बातचीत में जब पालक से उनकी फील्म को लेकर र इब्राहिम ने उन्हें टेक्स्ट किया या नहीं, इस सवाल को पूछा गया तो इसपर पालक ने कहा, इब्राहिम और मैं एक दूसरे को इवेंट में देखते है। और हम सच में एक दूसरे के साथ बातचीत नहीं करते, हम बस दोस्त है। पलक ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हम रोज एक दूसरे को मैसेज करते हैं कि कैसे हो, क्या कर रहे हो. हम सिर्फइवेंट और पार्टियों में मिलते हैं पर ये सच है कि मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

»» बॉलीवुड ««

करण जौहर ने कंगना रनौत को काम न देने की कही थी बात

अब वायरल हुई वीडियो कंगना ने भी दिया अपना जवाब

कंगना रनौत ने करण जौहर के एक पुराने इंटरव्यू को लेकर एक बार फिर उन पर निशाना साधा है। अभिनेत्री ने फिल्म निर्माता का एक साक्षात्कार क्लिप साझा किया जिसमें उन्हें काम नहीं देने के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। वे कहते हैं, जब वह (कंगना) मूवी माफिया कहती हैं तो उनका क्या मतलब होता है, क्योंकि उन्हें क्या लगता है कि हम क्या कर रहे हैं, बैठे हैं और उन्हें काम नहीं दे रहे हैं? क्या यही हमारे माफिया बनाता है नहीं, हम ऐसा अपनी मर्जी से करते हैं। मैं ऐसा इसलिए करता हूं क्योंकि शायद मुझे उसके साथ काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अपने एक पिछले मीडिया इंटरैक्शन के दौरान, अभिनेत्री ने इस बयान का जवाब देते हुए कहा, कैसे करण ने आईआईएफए के मंच पर मेरा मजाक उड़ाया, उन्होंने कहा कि मैं कैसे बेरोजगार हूँ और नौकरी की तलाश कर रही हूँ मेरा मतलब है कि मेरी प्रतिभा को देखो और अपनी फिल्मों को देखो, मेरा मतलब वास्तव में है अभिनेत्री के फै न पेज ने इन दो वीडियो का एक संपादन साझा किया और लिखा, माफिया जौहर को कंगना के महाकाव्य जवाब की प्रतीक्षा करें। इसे अपने इंस्टाग्राम स्टोरी हैंडल पर साझा करते हुए, कंगना ने आगे कहा, चाचा चौधरी इन तुच्छ विस्फोटों के लिए धन्यवाद। जब मैं स्थापित करती हूं खुद एक फिल्म निर्माता और निर्माता के रूप में, मैं इन्हें आपके चेहरे पर मलूंगा। पिछले हफ्ते कंगना ने एक और पोस्ट शेयर कर करण जौहर पर उन्हें धमकाने का आरोप लगाया था। बाद में हिंदी में एक शायरी साझा करने के बाद, कंगना ने उनका मजाक उड़ाया और लिखा, एक वक्त था जब चाचा चौधरी कुलीन नेपो माफिया वालों के साथ राष्ट्रीय टेलीविजन पे मुझे अपमान और धमकाने वाला था क्योंकि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकती थी। आज इनकी हिंदी देख कर ख्याल आया, अभी तो सिर्फ तुम्हारी हिंदी सुधरी है आगे आगे देखो होता है क्या। करण जौहर को हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। यह सब तब शुरू हुआ जब प्रियंका चोपड़ा जोनास ने बात की कि कैसे उन्हें बॉलीवुड में एक कोने में धकेल दिया गयाष। इसके बाद, कंगना रनौत ने करण जौहर के खिलाफ एक चौंकाने वाला आरोप लगाया। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि करण जौहर ने उनकी वजह से प्रियंका चोपड़ा को बॉलीवुड से प्रतिबंधित कर दिया। शाहरुख खान के साथ दोस्ती। कंगना ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में आरोप लगाया कि करण ने प्रियंका चोपड़ा को परेशान किया, जहां ष्उन्हें भारत छोड़ना पड़ा।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से रिजेक्ट हुई सारा अली खान का वीडियो हुआ वायरल, फैंस बोले-वहां नेपोटिज्म नहीं चलता

बॉलीवुड के मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस सारा अली खान आज फिल्मी दुनिया में खूब नाम कमा रही हैं, क्योंकि उनकी किट में कई बड़े बजट और दिलचस्प फिल्में हैं। असाधारण अभिनेताओं, सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी, सारा पहले ही फिल्म उद्योग में अपने अभिनय कौशल की सूक्ष्मता साबित कर चुकी हैं। केदारनाथ, कुली नंबर 1, अतरंगी रे और अन्य जैसी फिल्मों में अपने प्रदर्शन के साथ, वह बॉलीवुड में सबसे अधिक मांग वाली युवा अभिनेत्रियों में से एक हैं। फिल्मों में अपने काम के अलावा, सारा अली खान अपने रिश्ते की अफवाहों के लिए भी काफी सुर्खियां बटोरती हैं। जबकि हर कोई इस तथ्य से अवगत है कि वह कुछ समय के लिए अपने लव आज कल के सह-कलाकार कार्तिक आर्यन को डेट कर रही थी, इसके अलावा, वह हाल ही में क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ भी जुड़ी थी। हालांकि, फिलहाल सारा अली खान काफी सिंगल हैं और पूरी तरह से अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। मेट्रो इन डिनो, नखरेवाली, मर्डर मुबारक और द इम्मोर्टल अश्वत्थामा जैसी फिल्मों के साथ, वह अपने करियर को अगले स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। चुलबुली अभिनेत्री सारा अली खान भी ट्रोल्स के लिए एक आसान निशाना हैं, जो मशहूर हस्तियों के व्यक्तिगत स्थान और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाना पसंद करते हैं। बार-बार, हमने इन ट्रोल्स को सेलेब्स को निशाना बनाते हुए देखा है, जो अपने साक्षात्कारों में अधिक स्पष्टवादी होते हैं और कैमरे पर अपने व्यक्तिगत और अनफिल्टर्ड स्वयं को साझा करना पसंद करते हैं। सारा भी ऐसी ही है, और अपने विनम्र स्वभाव के कारण, वह कभी भी अपने सेलेब्रिटी स्टेटस को गंभीरता से नहीं लेती है और अपने नीरस जीवन के बारे में लगभग कुछ भी बता देती है। अभिनेत्री के इस स्वभाव ने उन्हें बार-बार बुरे ट्रोलर्स के लिए एक आसान लक्ष्य बना दिया है, जो कभी भी किसी सेलिब्रिटी को नीचा दिखाने का मौका नहीं छोड़ते। सारा ने कहां, 2019 में, एक्ट्रेस को शिक्षा और जीवन के साथ अपने अनुभव को साझा करने के लिए ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल में आमंत्रित किया गया था। भीड़ को संबोधित करते हुए, सारा ने खुलासा किया कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ना उनका सपना था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। अभिनेत्री युवा छात्रों को एक महत्वपूर्ण सबक सिखाना चाहती थी कि आप अपने जीवन में कितना भी गिर जाएं, आप हमेशा उठ सकते हैं क्योंकि सुरंग के अंत में हमेशा प्रकाश होता है। यह साझा करते हुए कि उस समय वह कितनी निराश थी। इसके आगे सारा कहती हैं, अपने भाषण में, सारा अली खान ने स्वीकार किया कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद, वह अपने जीवन में बिल्कुल अनजान थी, क्योंकि ऑक्सफोर्ड में होना उनका सपना था। लेकिन, अभिनेत्री ने कहा कि कैसे उन्होंने अपनी मां अमृता सिंह से बात की, जिन्होंने उन्हें समझा कि वहां एक पूरी दुनिया है। जल्द ही, उसे न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रवेश मिल गया और उसका जीवन तुरंत बदल गया। न्यूयॉर्क में बिताए वे तीन साल उनके जीवन के सबसे अच्छे साल थे।

सारा अली खान के भाषण की एक ज़िलप जैसे ही इंटरनेट पर आई, ट्रोलर्स ने ऑज़्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के लिए चयनित नहीं होने पर अभिनेत्री का मजाक उड़ाने के लिए एक सेकंड भी बर्बाद नहीं किया। एक यूजर ने सारा के फै मिली बैकग्राउंड का जिक्र करते हुए कमेंट किया, ऑज़्सफोर्ड में नेपोटिज्म नहीं चलता मेमसाब। लोगों को सारा का मजाक उड़ाते देखना निराशाजनक था जब उसने

»» बॉलीवुड ««

किस शख्स ने तोड़ा उर्फी जावेद का दिल

टूटे दिल के साथ एक्ट्रेस ने शेयर कर दी तस्वीर

उर्फी ने अपनी एक और लेटेस्ट तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी हैं। जहां तस्वीर देखने के बाद सबके मन में यही सवाल खड़ा हो रहा है की आखिर किसने उर्फी जावेद का दिल तोड़ दिया हैं। दरअसल उर्फी जावेद ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट फोटो को शेयर किया है...

बॉलीवुड की अजीबोगरीब फैशन डिजाइनर कही जाने वाली उर्फी जावेद आज किसी भी पहचान की मौहताज नहीं हैं। उर्फी आए दिन सबके सोच से परे कपडे पहन कर मीडिया के सामने आ जाती हैं। जहां उर्फी का अतरंगी फै शन सेंस देख लोगों के भी सर चकराने लग जाते हैं। ऐसे में अब उर्फी ने अपनी एक और लेटेस्ट तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी हैं। जहां तस्वीर देखने के बाद सबके मन में यही सवाल खड़ा हो रहा है की आखिर किसने उर्फी जावेद का दिल तोड़ दिया हैं। दरअसल उर्फी जावेद ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट फोटो को शेयर किया है. इस फोटो में आप देख सकते हैं कि उर्फी जावेद अपने टूटे हुए दिल का एक्स रे दिखाती हुई नजर आ रही हैं। जोकि इस फिल्टर फोटो में साफ नजर आ रहा है। उर्फी जावेद ने इस तस्वीर के कैप्शन में एक्स रे भी लिखा है। अब उर्फी जावेद की इस लेटेस्ट तस्वीर को देख कर लोगों ने अपने-अपने रिएक्शन देने शुरू कर दिए हैं। वही अब उर्फी के इस तस्वीर को अपलोड करते के साथ ही यूजर्स इसपर जमकर कमेंट करने भी शुरू कर दिए हैं। जहां एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की- ऐसा लगता है अब उर्फी के सारे क्रिएटिव आइडियाज अब खत्म हो चुके हैं। तो वही एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की-मम्मी ये क्या देख लिया है. वही एक यूजर ने लिखा है की- आपके तो दिल और कपडे दोनों ही टूटे हुए हैं। तो वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है कि-ओह नो दर्द ए दिल. इस तरह से तमाम लोग उर्फी जावेद को जमकर ट्रोल कर रहे हैं और उनकी इस तस्वीर पर जमकर मजे ले रहे हैं। बता दे की यह पहली बार नहीं है जब उर्फी को इस तरह से ट्रोल किया जा रहा हैं।

हिन्दी दैनिक/डिजिटल स्टार एक्सप्रेस सोच... बदलते भारत की

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादकः नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com

CMYK